नई दिल्ली ■ बुधवार 28 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 301 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भविष्य निर्माण के लिए अतीत के सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव जरूरी | 07 अभी संन्यास लेने का विचार नहीं : केएल राहुल | रानी मुखर्जी के 30 साल और 'मर्दानी 3' की गूंज 08

भारत-यूरोपियन यूनियन एफटीए का अंतिम मसौदा मंजूर

रक्षा-प्रतिरक्षा साझीदारी करार पर भी हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत एवं यूरोप के 27 देशों के संघ ने मंगलवार को यहां दुनिया के सबसे बड़े माने जा रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए)के मसौदे पर मुहर लगायी और कैरेबियाई सागर से लेकर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र तक वैश्विक समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से काम करने के एक व्यापक रणनीतिक एजेंडे की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ यहां हैदराबाद हाउस में हुई 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक में एफटीए पर अंतिम मुहर लगायी गयी तथा समझौते के समापन संबंधी राजनीतिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों ने इसके साथ ही 13 समझौतों के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। इनमें वर्ष 2030 तक संयुक्त भारत-यूरोपीय संघ व्यापक रणनीतिक एजेंडा, रक्षा एवं प्रतिरक्षा साझीदारी, मानव संसाधन के आवागमन संबंधी सहयोग एवं उसके कानूनी ढांचे पर व्यापक करार तथा महिलाओं और युवाओं के लिए डिजिटल नवाचार और कौशल हब पर भारत-यूरोपीय संघ त्रिपक्षीय सहयोग के तहत कृषि और खाद्य प्रणालियों में महिला किसानों को सशक्त बनाने, सौर आधारित समाधान; प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और अफ्रीका में सौर आधारित सतत ऊर्जा संक्रमण पर चार परियोजनाओं को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र और कैरिबियाई क्षेत्र में छोटे द्वीप विकासशील देशों में संयुक्त रूप से लागू करने के लिए समझौता शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेहमान नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है। यह सिर्फ व्यापारिक करार नहीं है। यह साझा समृद्धि का नया ब्ल्यूप्रिंट है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और ईयू के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और जनता के बीच मजबूत संबंधों के आधार पर हमारी साझीदारी नई ऊँचाइयों तक पहुँच रही है। आज, एक और ऐतिहासिक अवसर है, जब विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियाँ अपने संबंधों में एक निर्णायक अध्याय जोड़ रही हैं।

भारत और यूरोपीय संघ का सहयोग, वैश्विक कल्याण की एक साझीदारी है। मोदी ने कहा कि हम अगले 5 वर्षों के लिए एक महत्वाकांक्षी और समग्र रणनीतिक एजेंडा शुरू कर रहे हैं। इस जटिल वैश्विक परिवेश में, यह एजेंडा स्पष्ट दिशा प्रदान करेगा, हमारी साझा समृद्धि को आगे बढ़ाएगा, नवाचार को गति देगा, रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को गहरा करेगा। भारत और यूरोपीय संघ का एक साथ आना वैश्विक भलाई के लिए एक साझीदारी है। हम हिन्द-प्रशांत क्षेत्र से कैरेबियन तक त्रिपक्षीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। साथ मिलकर, हम आईएमईसी कॉरिडोर को वैश्विक व्यापार और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्थापित करेंगे। वैश्विक व्यवस्था में उथल-पुथल है, इस स्थिति में, भारत-यूरोपीय संघ सहयोग अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में स्थिरता को मजबूत करेगा।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। सदियों से हमारे दोनों महाद्वीपों के बीच व्यापार का प्रवाह रहा है। व्यापार एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिरीकरण और आर्थिक विकास का मूल स्रोत है। व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और साझा समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। इसलिए आज का मुक्त व्यापार समझौता ऐतिहासिक महत्व का है। यह करार अब तक संपन्न हुए सबसे महत्वाकांक्षी समझौतों में से एक है, जिससे 2 अरब लोगों का बाजार तैयार हुआ। एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने कहा कि एक बहुध्रुवीय दुनिया में, यूरोपीय संघ और भारत साझा समृद्धि के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं लेकिन सुरक्षा के बिना समृद्धि का अस्तित्व नहीं है। हमारे नागरिकों और हमारे साझा हितों की बेहतर रक्षा के लिए हमारे सहयोग को मजबूत करें, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, यूरोप और दुनिया भर में हमारे सामने आने वाले सुरक्षा खतरों की पूरी श्रृंखला का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करें, हमारे बीच रणनीतिक विश्वास के एक नए स्तर तक पहुंचें। यह सुरक्षा और रक्षा साझीदारी पर हमारे समझौते का महत्व है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच इस तरह का पहला व्यापक रक्षा और सुरक्षा ढांचा बहुत अहमियत रखता है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, श्यूरोप और भारत आज इतिहास रच रहे हैं। हमने सभी सौदों की जननी को संपन्न किया है। हमने दो अरब लोगों का एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाया है, जिसमें दोनों पक्षों को लाभ होगा। यह केवल शुरुआत है। हम अपने रणनीतिक संबंधों को और भी मजबूत बनाएंगे। हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बना रहे हैं। हम तेजी से असुरक्षित होती दुनिया में अपने लोगों के लिए सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं। आज दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों ने सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा साझीदारी की शुरुआत की है।

वैश्विक विकास का डबल इंजन बनेंगे भारत-यूरोपः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच संपन्न हुआ व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के रिश्तों में नए युग की शुरुआत है और यह साझेदारी पूरी दुनिया के लिए विकास का 'डबल इंजन' साबित होगी। उन्होंने बिजनेस कम्युनिटी से इस ऐतिहासिक अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए भरोसेमंद सप्लाई चेन, नई टेक्नोलॉजी और टिकाऊ विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में आयोजित इंडिया-ईयू बिजनेस फोरम में भाग लेते हुए कहा कि हालिया ऐतिहासिक फैसलों के बाद अब बिजनेस कम्युनिटी पर विशेष जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि व्यापार जगत के सक्रिय सहयोग से ही भारत-ईयू साझेदारी को भरोसा, पहुंच और बड़ा आकार मिलेगा तथा मिलकर समृद्धि के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि बिजनेस समुदाय एफटीए में मिलने वाले अवसरों का भरपूर लाभ उठाएगा। यह समझौता भारत और यूरोपियन यूनियन, दोनों की प्राथमिकताओं के अनुरूप है और इससे बिजनेस पार्टनरशिप को भी मजबूती मिलेगी।

भारत-ईयू समझौते ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेशः यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष

नई दिल्ली। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने मंगलवार को भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के सम्पन्न होने को दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक व्यवस्था मौलिक रूप से बदल रही है, यूरोपीय संघ और भारत रणनीतिक और भरोसेमंद साझेदार के रूप में एक साथ खड़े हैं। भारत और ईयू के बीच हैदराबाद हाउस में आयोजित 16वीं शिखर वार्ता में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा प्रेस वक्तव्य में कोस्टा ने कहा कि व्यापार एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिरता लाने वाला कारक है और आर्थिक विकास का मूलभूत स्रोत है। व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और साझा समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। आज के मुक्त व्यापार समझौता का ऐतिहासिक महत्व है।

संक्षिप्त खबरें

श्रद्धालुओं से भरी वैन को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी, 4 लोगों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में तेज रफ्तार एक ट्रक ने वैन में टक्कर मार दी जिससे कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सभी पीड़ित वैन में सवार थे और ठाणे जिले के डोंबिवली निवासी थे। पुलिस ने बताया कि विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं का एक समूह ठाणे से लगभग 400 किलोमीटर दूर सोलापुर जिले के मंदिर नगर पंढरपुर जा रहा था। सोमवार शाम मंगलवेधा तालुका के देगांव शिवरा गांव के पास हुई इस दुर्घटना में 10 लोग घायल हो गए। पंढरपुर में भगवान विट्ठल और देवी रुक्मणी के मंदिर हैं। पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में तीन श्रद्धालुओं-सोनम अहिरे, सविता गुप्ता और योगिनी केकाने-की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक बच्चे ने सोलापुर के जिला सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

असमः तीन करोड़ रुपये की नशीली दवा जब्त, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में पुलिस ने करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं जब्त की हैं और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि याबा तस्करों को लगा था कि कछार उनके लिए एक सुरक्षित ठिकाना है, लेकिन असम पुलिस ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि उनके लिए खेल खत्म हो गया है। 20,000 याबा टैबलेट(नशीली दवा) जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने लिखा कि इससे मादक पदार्थ माफिया को करीब तीन करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मप्रः अवैध पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड़, दो टन बारूद बरामद

भोपाल/खंडवा। मध्य प्रदेश की खंडवा पुलिस ने शहर के बाहर सम्यक गोल्ड कॉलोनी में चल रही एक अवैध पटाखा फैक्टरी भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब दो टन बारूद, सल्फर और रस्सियां जब्त की गईं। खंडवा पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर मंगलवार को सिंहाड़ा गांव के पास खंडवा से सटी सम्यक गोल्ड कॉलोनी में चल रही अवैध पटाखा फैक्टरी पर छापा मारा।

एसपी मनोज कुमार राय ने बताया कि कॉलोनी के क्लब हाउस के पास एक पिकअप वाहन मिला, जिसमें बड़ी मात्रा में सुतली बम, बारूद, सल्फर और अन्य रासायनिक पदार्थ लादे जा रहे थे। मौके से मुख्य आरोपित प्रोफेसर इमरान परयानी की स्कूटी भी बरामद हुई है। एसपी ने बताया कि फिलहाल कोतवाली थाने में विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा कर रहे हैं।

एसपी राय ने बताया कि यह फैक्टरी गोल्ड कॉलोनी के क्लब हाउस की छत पर संचालित हो रही थी। जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपित प्रोफेसर इमरान परयानी, जो पहले यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रह चुके हैं, इस अवैध कारोबार में शामिल था।

ब्रह्मपुत्र नदी में नाव पलटी, 6 लोग लापता

बरपेटा। असम के बरपेटा जिले के चेंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत रहमपुर इलाके में मंगलवार को ब्रह्मपुत्र नदी में एक यात्री नाव के पलट जाने से हड़कंप मच गया। इस घटना में कम से कम छह लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन ने बताया है कि लापता यात्रियों के संबंध में कोई पुष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बीती रात अमृतसर से गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को गिरफ्तार किया है। मुक्तसर साहिब पुलिस ने यह कार्रवाई उस समय की, जब गोल्डी बराड़ के माता-पिता दरबार साहिब के पास एक होटल में ठहरे हुए थे। पुलिस के अनुसार गोल्डी बराड़ के पिता शमशेर सिंह और उसकी मां प्रीतपाल कौर को गिरफ्तार किया गया है। करीब दो साल पहले शिक्षक से 50 लाख रुपए रंगदारी मांगी गई थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में देशव्यापी हड़ताल से चौथे दिन भी देशभर में कामकाज प्रभावित

नई दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर चौथे दिन भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस वजह से देशभर के सरकारी बैंकों में मंगलवार को कामकाज बुरी तरह प्रभावित है।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में बैंक यूनियनों ने हड़ताल पर रहकर पांच दिन के वर्किंग सप्ताह की मांग की है। गुजरात के राजकोट में बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा पर बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया है। इसी तरह कोलकाता में बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर इंडियन बैंक की मेन ब्रांच पर विरोध प्रदर्शन किया। देश के अधिकांश हिस्सों में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकांश कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस कारण नकद लेन-देन, चेक क्लियरेंस, केवाईसी अपडेट और शाखाओं से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य नहीं हो पा रहे हैं।

बैंक में छुट्टियों की श्रृंखला के बाद ये लगातार चौथा दिन है, जब आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के तहत आने वाली विभिन्न बैंक कर्मचारी यूनियनों ने सरकार से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह (5-डे वर्किंग) लागू करने की मांग को लेकर यह हड़ताल बुलाई है। यूनियनों का कहना है कि बैंक कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार और लंबी कार्य अवधि को देखते हुए संतुलित कार्यप्रणाली जरूरी हो गई है। कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि वे इसके बदले हर कार्यदिवस में अतिरिक्त 40 मिनट काम करने के लिए तैयार हैं।

हालांकि, बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शाखा आधारित सेवाएं प्रभावित हैं, लेकिन डिजिटल बैंकिंग पर इसका असर नहीं है। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं।

ग्राहक आईएमपीएस, एनईएफटी और आरटीजीएस के जरिए ऑनलाइन लेन-देन हो रहा है। निजी बैंक इस हड़ताल का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए उनकी सभी ब्रांच और सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

खतरनाक स्थानों पर हादसे रोकने के उपाय करें : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा। जिलाधिकारी के कैंप कार्यालय पर मंगलवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें जिले में सर्वाधिक सड़क हादसे वाले चिह्नित 152 स्थानों की रिपोर्ट रखी गई। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट समाप्त करने के लिए प्रभावी योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने वर्ष 2021 से 2025 तक जनपद में चिन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट और वहां किए गए सुधारात्मक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में 152 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि इन ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने के लिए सभी विभाग आपसी सामंजस्य बनाकर कार्य करें। ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने के लिए आवश्यक सड़क अभियान्त्रिकी उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, संकेतक बोर्ड, दिशा सूचक बोर्ड, ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं। जिले की ओर से राष्ट्रीय और राज्य सड़क सुरक्षा परिषद को सुझाव भेजने को कहा।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सड़क सुरक्षा कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर इमरजेंसी लेन के निर्माण, गति सीमा की समय-समय पर समीक्षा और यातायात शांत करने वाले उपायों को सख्ती से लागू करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण सतीश पाल, डीसीपी ट्रैफिक मनीषा सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सियाराम वर्मा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ उदित नारायण पांडेय, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कंचन सहित आदि शामिल रहे। सांसद ने निर्देश दिए कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को इसके संबंध में जानकारी दी जाए, ताकि दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और प्रभावी सहायता मिल सके। स्कूली वाहनों की जांच होगी बैठक में स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर भी चर्चा की गई। तय किया गया कि सभी स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत सीसीटीवी, जीपीएस, प्रशिक्षित चालक एवं सहायक स्टाफ की उपलब्धता और चालकों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। नगर और ग्राम पंचायत स्तर पर यातायात पार्क सह प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने तथा आमजन को सड़क सुरक्षा अभियानों से जोड़ने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्राधिकरणों से रिपोर्ट तलब

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण को निर्देश देते हुए ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों में तेजी लाने को कहा। पूर्व में चिन्हित दुर्घटना ब्लैक स्पॉट पर अब तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरणों की जवाबदेही तय करते हुए सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से तय समय में पूरे कराए जाएं। घायलों का कैस लेस इलाज होगा बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए पैनल अस्पतालों में 1.5 लाख तक की कैशलेस उपचार योजना संचालित है।

पुलिस ने पकड़े मोबाइल चोर और अवैध हथियार के साथ युवक

नोएडा। दिल्ली से नोएडा आकर विभिन्न बाजारों में व अन्य जगहों से मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को आज थाना सेक्टर-142 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। इसके पास से विभिन्न जगहों से चोरी किए हुए चार मोबाइल फोन बरामद किया है। इसके अलावा थाना दादरी पुलिस ने एक सूचना के आधार पर लूटपाट करने की नीयत से घूम रहे एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है।

थाना सेक्टर-142 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि उपनिरीक्षक अरुण कुमार ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन के पास से रवि सिंह पुत्र राणा सिंह निवासी शहदरा दिल्ली को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे और चोरी किए हुए चार मोबाइल फोन बरामद किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की उम्र 35 वर्ष है। उसने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह उक्त मोबाइल फोन को बेचने के लिए जा रहा था, तभी वह पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि इस बदमाश ने लूटपाट और चोरी की कई वारदातें करनी स्वीकार की है। पुलिस बदमाश के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है।

वहीं थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध चाकू बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह लूटपाट करने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम राजू पुत्र करणपाल सिंह निवासी ग्राम धनुवास जारचा बताया है।

सुविधाओं की मांग पर लोग धरने पर बैठे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली ड्रीम वैली-2 के खरीदार सोमवार को परिसर में स्थित एनबीसीसी कार्यालय के सामने सुविधाओं की मांग के लिए अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। लोगों का आरोप है कि एनबीसीसी ने आधे अधूरे कार्यों के साथ परियोजना में घर सौंप दिए। इनमें लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है।

सोसाइटी के एओए कोषाध्यक्ष मदनलाल ने बताया कि परिसर में टेंट लगाकर 12 बजे से एनबीसीसी कार्यालय के सामने धरना शुरू किया और नारेबाजी की। कुलदीप और एग्जीक्यूटिव सदस्य राहुल कश्यप ने बताया कि परिसर में रहने वाले लोगों के हित की लगातार अनदेखी की जा रही है। कई खरीदार लगातार कोर्ट रिसीवर और एनबीसीसी कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

उनकी समस्याओं को सुनने के लिए कोई तैयार नहीं है। लोगों का आरोप है कि परिसर में करीब 1,500 परिवार रहते हैं। इनमें से कुछ लोगों को करीब 2 से 3 महीने पहले ही घर मिला है। उनके प्लेटों में सीलन और सिपेज की समस्या हो गई है। दीवारों पर से पेंट छूटकर नीचे गिरने लगा है। ऐसे में उन्हें अपने सुरक्षा की चिंता सता रही है। जनरल सेक्रेटरी सतीश कुमार जॉइंट सेक्रेटरी पंकज पांडे ने बताया कि सोसाइटी का कई टावर में लोगों को लिफ्ट संचालित कर नहीं दी गई। कई टावर ऐसे हैं जिनमें केवल एक ही लिफ्ट संचालित है, जो कि कई बार खराब हो जाती है।

समाधान होने पर खत्म होगा धरना

सोसाइटी के एओए अध्यक्ष हरि ठाकुर ने बताया कि इस सभी समस्याओं के समाधान को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने का निर्णय लिया है। इस बार किसी भी झूठे आश्वासन पर धरना समाप्त नहीं होगा। जब तक एनबीसीसी, कोर्ट रिसीवर और बिल्डर प्रबंधन की तरफ से उच्च अधिकारी उनके साथ बैठक नहीं करेंगे और समस्याओं के समाधान के लिए कर कार्य शुरू नहीं होगा, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। वही, एनबीसीसी की तरफ से डीजीएम अरविंद से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

संघर्ष से सीख लेने का संदेश

नोएडा। सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में मंगलवार को टेडेक्स के चौथे संस्करण का आयोजन विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना विषय पर किया गया। इसमें प्रौद्योगिकी, मनोरंजन, डिजाइन सहित विभिन्न क्षेत्रों के 12 वक्ताओं और कलाकारों ने छात्रों को प्रेरित किया। इस दौरान क्रिकेट कोच वैशाली माथुर ने संघर्ष से सीख लेने का संदेश दिया। योगा थैरेपिस्ट सुनैना रेखी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में संगीत, संस्कृति, नवाचार और नेतृत्व से जुड़े विचारों ने छात्रों को प्रेरित किया।

मारपीट मामले में आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और सुरक्षाकर्मी पर केस

नोएडा। सेक्टर-41 स्थित आरडब्ल्यूए कार्यालय के पास नाबालिग से मारपीट और इसके बाद विरोध करने पर एक व्यक्ति को बंधक बनाकर पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, उनके बेटे और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। भारत चंद्र ने पुलिस को शिकायत दी कि वह 24 जनवरी की दोपहर करीब तीन बजे सेक्टर-41 स्थित आरडब्ल्यूए कार्यालय के पास से गुजर रहे थे। वहां तीन लोगों ने करीब आठ वर्षीय बच्चे को पकड़ रखा

था। बच्चे के गाल लाल थे और वह रो रहा था। उन्होंने इसका कारण पूछा तो बताया गया कि बच्चे पर चोरी का आरोप है। इसी वजह से उसे पीटा गया और कार्यालय में बंद कर दिया गया। उन्होंने इसका विरोध किया तो आरडब्ल्यूए पदाधिकारी केशव शर्मा नाराज हो गए और उनके साथ मौजूद लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

उनको जबरन पकड़ लिया। कुछ देर बाद केशव शर्मा का बेटा और अन्य आरडब्ल्यूए पदाधिकारी भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि केशव शर्मा, उनके बेटे और दो सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। उनको कार्यालय परिसर में जबरन बैठाकर रखा और लगभग एक घंटे तक वहां से जाने नहीं दिया। जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस और उनके परिजनों के पहुंचने के बाद उन्हें छोड़ा गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और सभी आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

छात्रों को मतदान के महत्व समझाया

नोएडा। सेक्टर-39 स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेहरू युवा केंद्र, राष्ट्रीअनय सेवा योजना और संविधान क्लब के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को मतदान के महत्व और नागरिक कर्तव्यों की जानकारी दी। इसके बाद पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें आर्या कुमारी ने पहला, स्नेहा कुमारी ने दूसरा और अंतरा गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंत में विद्यार्थियों को मतदान की शपथ दिलाकर जागरुकता रैली निकाली गई।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रवादी करणी सेना ने यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मंगलवार को सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकालकर इन नियमों को निरस्त करने की मांग की और इस बारे में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। नियमों में बदलाव न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

करणी सेना के राष्ट्रीय महा सचिव डॉ. लोकेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि 15 जनवरी से देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नए नियमों को लागू किया गया है। यह अधिसूचना समानता और सामाजिक न्याय के नाम लाई गई है, जबकि इसका प्रभाव संविधान की भावना, समान अवसर और सामाजिक संतुलन के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार स्वर्ण समाज के खिलाफ कार्य कर रही है, जबकि स्वर्ण समाज तन, मन, धन से सरकार के लिए समर्पित है।

नए नियमों से जहां अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग को फायदा होगा, वहीं स्वर्ण समाज और सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होगा। नए नियमों के तहत भी सभी वर्गों को एक समान अधिकार मिलने चाहिए। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही यह नए नियम निरस्त या इनमें बदलाव नहीं किया गया तो सेना के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

हाइड्रोजन बस संचालन पर लिए सुझाव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा, यमुना सिटी और आगरा तक हाइड्रोजन बसें चलाने के लिए नियम-शर्तों को लेकर कंपनियों ने अपने सुझाव दिए। उन्होंने राजस्व बंटवारे पर भी राय दी। इन सुझावों को टेंडर में शामिल किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द बस ऑपरेटर का चयन कर संचालन शुरू किया जाएगा।

यमुना प्राधिकरण की एनटीपीसी के साथ मिलकर हाइड्रोजन बसें चलाने की तैयारी है। एनटीपीसी ने बसें मंगा ली हैं। हाइड्रोजन का भी इंतजाम कर लिया है। अब ऑपरेटर की तलाश की जा रही है। इसके लिए यमुना प्राधिकरण ने आरएफपी निकाली। दो

दिन पहले इसको लेकर प्रीबिड मीटिंग हुई। इसमें बस का संचालन करने वाली कंपनियों से सुझाव मांगे गए। मीटिंग में तीन कंपनियों ने सुझाव दिए। कंपनियों ने राजस्व बंटवारे को लेकर आपत्ति जताई। एसीईओ नागेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बस ऑपरेटर तय करने के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही कंपनी का चयन करके संचालन शुरू किया जाएगा।

शारदा विवि: रंगोली में उत्तर प्रदेश की विरासत को दिखाया

ग्रेटर नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय में मंगलवार को यूपी दिवस थीम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता हुई। इसमें विश्वविद्यालय के चार विभिन्न स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाली चार टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने आकर्षक और अर्थपूर्ण रंगोली बनाई। इसमें उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया।इसमें एसएसवीएस टीम में शामिल दिक्षा, भूमि गुप्ता और कशिश जुनेजा ने प्रथम पुरस्कार, प्रिया कुमारी, आयांसी कुमारी और मोध अबीर की टीम ने द्वितीय पुरस्कार हासिल किया।

सूरजपुर में कार्यालय की दीवार तोड़कर स्कूल में चोरी

ग्रेटर नोएडा। बदमाश रविवार की रात देवला गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के कार्यालय की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी में रखे महत्वपूर्ण शैक्षणिक अभिलेख और कीमती सामान चोरी कर ले गए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुदेश कुमारी ने इस मामले में सूरजपुर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी कि स्कूल से महत्वपूर्ण रजिस्टर, फाइलें और इन्वर्टर, बैटरी, माइक-स्पीकर और बर्तन आदि सामान चोरी हुआ है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भारी बारिश और ओलावृष्टि, किसानों में चिंता

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मंगलवार सुबह से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। सुबह काले बादलों ने आसमान को घेरा और फिर शुरू हुआ भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि का दौर। देखते ही देखते सड़कों और घरों की छतों पर ओलों की सफेद चादर शाम को बिछ गई।

नोएडा में बारिश से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। तेज हवाओं के साथ गिरे बड़े-बड़े ओलों ने राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दीं। कई इलाकों में विजिबिलिटी इतनी कम हो गई कि दिन में ही गाड़ियों की हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने जहां एक तरफ ठंड को दोबारा बुला लिया है, वहीं किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। खेतों में खड़ी फसलों को ओलों से भारी नुकसान होने की आशंका है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों तक बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी का अलर्ट जारी किया है।

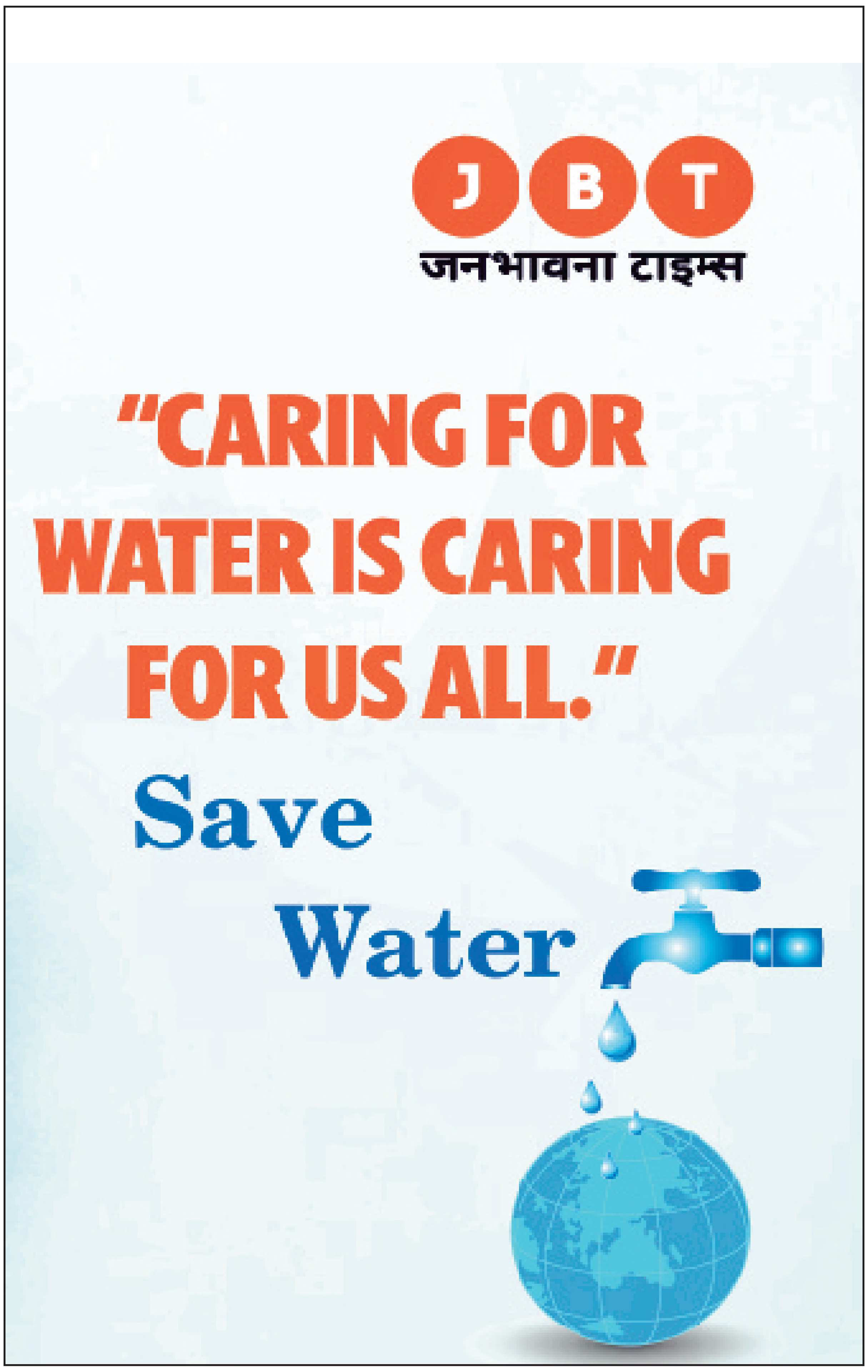

दिल्ली सरकार और सीजीटीएमएसई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को मिलेगा 95 फीसदी तक गारंटी कवरेज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को 'दिल्ली क्रेडिट गारंटी योजना' के तहत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से दिल्ली के सूक्ष्म और लघु उद्यम को बिना गारंटी और बिना संपत्ति गिरवी रखे लोन की सुविधा मिलेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में इस एमओयू पर हस्ताक्षर कर इसे दिल्ली के उद्यमियों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने इसके लिए राज्य के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, उनकी पूरी टीम और सीजीटीएमएसई के सीईओ मनीष सिन्हा को बधाई दी। इस मौके पर डीएसआईआईडीसी की एमडी नाजुक कुमार, इंडस्ट्रीज सचिव रवि झा और सीजीटीएमएसई के डीजीएम धीरज कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि छोटे उद्यमियों को अक्सर बिना गारंटी ऋण लेने में कठिनाई होती है, लेकिन अब सीजीटीएमएसई के साथ समझौते से इसका स्थायी समाधान हो गया है। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, नए रोजगार के अवसर बनेंगे और महिला उद्यमियों को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सरकार ने बिना गारंटी और बिना संपत्ति गिरवी रखे लोन की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इससे महिला उद्यमियों को वह सम्मान और संसाधन मिलेंगे, जिसकी वे हकदार हैं। आप मेहनत करिए, सपने देखिए, इनोवेट कीजिए उन्हें हकीकत में बदलने के लिए सरकार आपके साथ खड़ी है।

उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार उद्यमियों, युवाओं और खासकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब उद्योग मजबूत होगा तभी दिल्ली मजबूत बनेगी। उल्लेखनीय है कि इस समझौते के तहत दिल्ली के उद्यमियों को अब 95 प्रतिशत तक गारंटी कवरेज मिलेगा। इसमें 75-90 प्रतिशत हिस्सा सीजीटीएमएसई का होगा और शेष 5-20 प्रतिशत दिल्ली सरकार वहन करेगी। एमएसएमई और स्टार्टअप्स को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या फीस दिए लोन की सुविधा मिलेगी। योजना में एससी पुरुषों और महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किया गया है और इस साल लगभग एक लाख से अधिक उद्यमियों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है।

आशीष सूद ने शाहबाद डेयरी इलाके में जर्जर स्कूल भवन का किया निरीक्षण

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्रराज सिंह के साथ मंगलवार को शाहबाद डेयरी में जर्जर स्कूल बिल्डिंग का निरीक्षण किया।

इस दौरान आशीष सूद ने पिछली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2020 में आम आमदी पार्टी (आआपा) की सरकार द्वारा बनाए गए खराब इंफ्रास्ट्रक्चर की कीमत आज मासूम बच्चे चुका रहे हैं। लाल स्कूल, शाहबाद डेयरी की इमारत को 'डेंजरस' घोषित कर दिया गया।

सूद ने कहा कि बच्चों को असुरक्षित बिल्डिंग में पढ़ाना उनके शिक्षा और सुरक्षा के लिए बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक प्रशासन के तौर पर जो भी जिम्मेदारी निभानी थी, दिल्ली सरकार ने उसे ईमानदारी से निभाया है। सभी बच्चों को शिफ्ट करना और बिल्डिंग का निरीक्षण कराना जरूरी कदम था।

उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए बच्चों की जान का जोखिम कौन उठाएगा? इस लिए सरकार लगातार बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक और मंत्री इंद्रराज भी पहले कई बार इस जगह का दौरा कर चुके हैं।

जुलाई महीने में इस स्कूल के लगभग 5,000 बच्चों को रोहिणी के एक दूसरे स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया था, जो अपने आप में परेशानी का सबब है। भवन को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को तत्काल और स्पष्ट निर्देश दिए गए। सरकार बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होने देगी और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े सारे काम किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

शाहबाद डेयरी में ज्वेलरी शॉप पर हमला, लाइसेंसी रिवॉल्वर समेत आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी शॉप पर हुए हमले और हथियारबंद झगड़े के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि 25 जनवरी की शाम करीब 6:34 बजे शाहबाद डेयरी थाना पुलिस को बी-ब्लॉक इलाके में झगड़े और मारपीट की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसआई सतीश के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तब तक घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल भेजा जा चुका था, जबकि मुख्य आरोपित को मौके पर मौजूद ड्यूटी स्टाफ ने पकड़ लिया था। घायल की पहचान 25 वर्षीय प्रकाश सोनी के रूप में हुई है, जो शाहबाद डेयरी का निवासी है और अपने पिता के साथ 'राकेश ज्वेलरी' नाम से दुकान चलाता है। हमले में प्रकाश सोनी के सिर के दाहिने हिस्से में गंभीर चोट आई है, जो किसी भारी कुंद वस्तु से वार के कारण बताई जा रही है। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि विवाद की जड़ एक आपसी जान-पहचान से जुड़ा निजी मामला था। शाम करीब 6:15 बजे एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ दुकान में आई। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। इसी दौरान आरोपित ने रिवॉल्वर की बट से प्रकाश सोनी के सिर पर वार किया और मौके से फरार होने की कोशिश की। पकड़े गए आरोपित की पहचान संदीप जून (30)के रूप में हुई है। वह बहादुरगढ़ हरियाणा का रहने वाला है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

बारिश के बावजूद बहुत खराब श्रेणी में दिल्ली की हवा

नई दिल्ली। राजधानी में मंगलवार को हुई हल्की बारिश और तेज हवा के बावजूद प्रदूषण स्तर में बहुत सुधार नहीं हुआ है। सीपीसीबी के मुताबिक, शाम चार बजे राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 336 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। वहीं, राजधानी में चार जगहों पर 400 या उससे अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। दिल्ली के लोगों को पिछले साल अक्तूबर से लेकर इस बार जनवरी तक करीब 102 दिनों तक प्रदूषित हवा मिली है। बीते शुक्रवार को दिल्ली व आसपास के इलाके में हुई बारिश और हवा की गति बढ़ने का असर दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर देखने को मिला था। शनिवार और रविवार को दिल्ली की हवा मध्यम श्रेणी में रही, लेकिन सोमवार को खराब और अब मंगलवार को बहुत खराब श्रेणी में वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 241 अंक पर था, जबकि मंगलवार को यह 336 दर्ज किया गया।

दो साल से फरार गैंगस्टर गिरफ्तार 20 संगीन मामलों में था वांछित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो साल से फरार चल रहे अंतरराज्यीय गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली और हरियाणा में हत्या, डकैती, अपहरण, लूट, आर्म्स एक्ट और दुष्कर्म जैसे 20 से अधिक संगीन मामलों में वांछित था। वह कुख्यात कृष्ण गहटा गैंग का सक्रिय सदस्य है और कई मामलों में अदालत द्वारा भगोड़ा भी घोषित किया जा चुका था। पकड़े गए आरोपित की पहचान रोहतक हरियाणा निवासी रविंदर देसवाल उर्फ छोटा उर्फ भांजा उर्फ बोरी (35) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच से द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने मंगलवार को बताया कि फरार गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कवच 12.0 के तहत क्राइम ब्रांच को एक अंतरराज्यीय अपराधी के बारे में पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर इंस्पेक्टर पवन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जिसने चार सप्ताह तक दिल्ली और हरियाणा के कई इलाकों में लगातार छानबीन की। टीम ने गुरुग्राम, सोनीपत और रोहतक में करीब 25 ठिकानों की जांच की और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपित की लोकेशन ट्रैक की। इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपित गुरुग्राम में छिपकर रह रहा था और पहचान छिपाने के लिए दूसरों के नाम पर मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रहा था। वहीं पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, रविंदर देसवाल वर्ष 2018 में अपने 11 साथियों के साथ सोनीपत में 32 लाख रुपये की डकैती के मामले में गिरफ्तार हुआ था। करीब दो साल पहले जेल से बाहर आने के बाद उसने जमानत की शर्तें तोड़ दीं और फरार हो गया। इसके बाद से वह लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपित के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, डकैती, लूट, आर्म्स एक्ट, दुष्कर्म और पोक्सो जैसी गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। कई मामलों में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट और धारा 83 सीआरपीसी के तहत कुर्की के आदेश भी जारी हो चुके थे।

यूजीसी बिल के विरोध में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, यूजीसी कार्यालय के बाहर दिया धरना

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। यूजीसी के नए विधेयक के विरोध में सवर्ण आर्मी ने मंगलवार को आईटीओ स्थित यूजीसी कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया। प्रदर्शन की सूचना को देखते हुए यूजीसी मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और पुलिस ने इलाके में बैरिकेडिंग कर दी। इसके बावजूद सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय महासचिव शिवम सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग यूजीसी मुख्यालय की ओर बढ़े। हालांकि पुलिस ने उन्हें कार्यालय तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग के पास ही धरना शुरू कर दिया।

धरने को संबोधित करते हुए शिवम सिंह ने यूजीसी के नए कानून को 'काला कानून' करार देते हुए कहा कि यह सवर्ण समाज के खिलाफ है और इससे समाज के बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून के विरोध में पूरा सवर्ण समाज एकजुट है और सरकार को इसे वापस लेना ही पड़ेगा। शिवम सिंह ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार इसकी आड़ में सवर्ण समाज के साथ अन्याय कर रही है। शिवम सिंह ने कहा कि सभी सवर्ण समाज के छात्र उनके साथ हैं और अगर सरकार ने कानून वापस नहीं लिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान शिवम सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगें नहीं मानीं तो यूजीसी कार्यालय के बाद संसद का भी घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्र पहले भी सरकारें बदलने में भूमिका निभा चुके हैं और इस बार भी पीछे नहीं हटेंगे। धरने के दौरान प्रदर्शनकारी 'हमें चाहिए आजादी, जातिवाद से आजादी', 'यूजीसी एक्ट से आजादी' जैसे नारे लगाते रहे। कई प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'यूजीसी काला कानून वापस लो' लिखी तख्तियां भी दिखाई दीं। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी गई।

जोश, गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूरे देश में बड़े धूमधाम और देश भक्ति की भावना के मनाया गया 26 जनवरी, राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर भव्य गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन हुआ, जिसमें देश की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और एकता की शानदार झलक देखने को मिली।

इस साल की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' पर केंद्रित रही, जो राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भर भारत के संदेश को मजबूती से उजागर करती है।परेड में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की टुकड़ियों ने आकर्षक प्रदर्शन किया। राफेल, सु-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों का फ्लाई-पास्ट और विभिन्न झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने समारोह में शिरकत की। इसी उत्साह के बीच शीला चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट ने भी दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 स्थित अपने मुख्य कार्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह से मनाया। ट्रस्ट के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, राष्ट्रगान गाया और देश की प्रगति पर चर्चा की। ट्रस्ट, जो सामाजिक सेवा, शिक्षा और गरीबों की मदद के कार्यों के लिए जाना जाता है, ने इस अवसर पर देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। यह उत्सव न केवल राष्ट्र की एकता और शक्ति का प्रतीक रहा, बल्कि हर नागरिक को देश के प्रति अपने कर्तव्य की याद भी दिलाता है।

दिल्ली पुलिस ने दो खूंखार अपराधियों को किया गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की सफदरजंग एनक्लेव पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में दो खतरनाक अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी अविनाश उर्फ जानू को तुंडला, फिरोजाबाद (यूपी) में मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया, जहां उसने पुलिस पर फायरिंग की थी।

दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि 22 जनवरी को दोपहर करीब 2:20 बजे सफदरजंग एनक्लेव इलाके के पार्क/जंगल क्षेत्र में बीट ऑफिसर हेड कांस्टेबल राजकुमार गश्त पर थे। एक राहगीर से संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे। पूछताछ के दौरान दो व्यक्ति अचानक उन पर हमला कर दिया। एक ने उन्हें दबाया, जबकि दूसरे ने उनकी सर्विस पिस्टल छीन ली और उन पर फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। आरोपी भागते हुए एक मोटरसाइकिल जबरन रोककर फरार हो गए। इस मामले में सफदरजंग एनक्लेव थाने में पब्लिक सर्वेंट को ड्यूटी में बाधा डालना, हमला, हत्या की कोशिश, डकैती/लूट जैसी गंभीर अपराधों से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। एडिशनल डीसीपी (साउथ वेस्ट) अभिमन्यु पोस्वाल और ऐश्वर्या सिंह के निर्देशन में तथा एसीपी मेल्विन वर्गीज के नेतृत्व में कई टीमें गठित की गईं। 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय मुखबिरों की मदद से मुख्य आरोपी की पहचान अविनाश उर्फ जानू (30 वर्ष, निवासी सावित्री नगर/ मालवीय नगर/ छतरपुर, दिल्ली) के रूप में हुई। वह पहले से दिल्ली में डकैती, लूट और स्नैचिंग के 10 से अधिक मामलों में आरोपी था। वह ड्रग एडिक्ट है, ग्रेजुएट है, शादीशुदा और एक 3 साल के बेटे का पिता है। 23 जनवरी को दिल्ली पुलिस की ऑपरेशंस सेल सफदरजंग एनक्लेव और तुंडला पुलिस की संयुक्त टीम ने तुंडला के पुराने बाइपास रोड, राजा का ताल श्मशान घाट के पास आरोपी को स्कूटर पर देखा। रोकने के इशारे पर उसने स्पीड बढ़ाई, संतुलन खोया और घेराबंदी में पुलिस पर फायरिंग कर दी।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर AIIA का आयोजन, आयुर्वेद स्टार्टअप्स के लिए MSME अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (AIIA) ने अपने स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर AIIA-iCAINE के माध्यम से आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप्स के लिए MSME अवसरों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

यह कार्यक्रम AIIA के नई दिल्ली परिसर में MSME-डेवलपमेंट एंड फैसिलिटेशन ऑफिस, भारत सरकार के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, स्टार्टअप विशेषज्ञों और उद्यमियों ने भाग लिया। सत्रों में स्टार्टअप्स के लिए सरकारी योजनाएं, नवाचार को बढ़ावा देने की संस्थागत व्यवस्थाएं, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), प्रमाणन मानक और वित्तीय सहायता तंत्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई।डॉ. अरुण कुमार ने स्वागत संबोधन में आयुर्वेद क्षेत्र में नवाचार आधारित उद्यमिता की जरूरत पर प्रकाश डाला। एमएसएमई के उपनिदेशक सुनील कुमार ने आयुर्वेद उद्यमों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रो. मंजूषा राजगोपाल ने शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर विचार साझा किए।मुख्य वक्ता संयुक्त निदेशक एमएसएमई डॉ. आर. के. भारती ने पारंपरिक चिकित्सा और वेलनेस क्षेत्र में स्टार्टअप्स को नीति-समर्थित मजबूत इकोसिस्टम की आवश्यकता बताई।

तकनीकी सत्रों में डीपीआईआईटी की पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक सुश्री संगीता नागर ने IPR के महत्व पर और सिडबी की वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री ज्योति नीरज ने वित्तीय सहायता के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर AIIA-iCAINE के सीईओ सुजीथ एरणेजाथ और एमएसएमई के सहायक निदेशक नवीन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।AIIA-iCAINE ने इस अवसर पर आयुर्वेद आधारित नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संगम विहार में 4 लेन की नई सड़क बनाकर जाम दूर करने की तैयारी

नई दिल्ली। संगम विहार क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। शूटिंग रेंज टी-प्वॉइंट से लेकर संगम विहार जे-ब्लॉक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तक कॉलोनी के पीछे की तरफ से करीब पांच किलोमीटर लंबी चार लेन की नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है। एजेंसी से करार होने पर उसे डीपीआर बनाने के लिए 35 दिन का समय दिया जाएगा। परियोजना की लागत का आकलन डीपीआर बनने पर ही हो पाएगा। पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में संगम विहार के लोग महरौली-बदरपुर रोड तक पहुंचने के लिए रतिया मार्ग का उपयोग करते हैं।

संपादकीय

वाजिब समाधान की तलाश जरूरी

यूजीसी एक्ट में किए गए बदलाव को लेकर चौतरफा विरोध शुरू हो चुका है। सामान्य वर्ग के छात्रों से लेकर विभिन्न संगठन यूजीसी एक्ट को वापस लेने की मांग में विरोध प्रदर्शन कर रहे है। यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को जातिगत भेदभाव रोकने के लिए नए नियम लागू किए हैं, जो सभी कॉलेजों पर अनिवार्य रूप से लागू होंगे। यूजीसी के समानता और भेदभाव-विरोधी नए नियमों पर मुख्य रूप से सवर्ण संगठनों और छात्रों में आए उबाल की मुख्य वजह यह है कि वे इस बदलाव को जातिगत भेदभाव और सामान्य वर्ग के खिलाफ बता रहे हैं। इस नए नियम के तहत ओबीसी को भी सुरक्षा के दायरे में लाने और झूठी शिकायत पर दंड का प्रावधान हटाने की वजह से भी विरोध तेज हो गया है। इसके विरोध में जुटे युवा इसे 1990 के मंडल आंदोलन जैसा बता रहे हैं। इसे लेकर देश के कई राज्यों में विरोध शुरू हो गया है। दिल्ली में सवर्ण समाज ने यूजीसी ऑफिस के घेराव की घोषणा से सुरक्षा एजेंसियां मुस्तैद हो गई हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के रायबरेली में लोगों ने भाजपा नेताओं को चूड़ियां भेजने की घोषणा की है। गाजीपुर में कुछ लोग सिर पर कफन बांध श्मशान घाट पर यूजीसी कानून का विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। इन लोगों ने जोहरगंज स्थित श्मशान घाट पर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा बरेली, लखनऊ, गाजियाबाद में भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। विरोध स्वरूप राजस्थान में एस-4 संगठन का गठन किया गया है। जिसे सवर्ण समाज समन्वय समिति का नाम देते हुए ब्राह्मण, वैश्य, राजपूत और कायस्थ एक साथ आ गए हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर कई इंफ्ल्यूएंसर अपने तरीके से विरोध प्रकट कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। इसके विरोध में लखनऊ बीजेपी के 11 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। विरोध में उतरे कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। यूजीसी का उद्देश्य भले ही कैंपस में भेदभाव को खत्म करना हो, लेकिन इसको लागू करने के तरीकों को लेकर उपजा अविश्वास और आक्रोश 'सबका साथ, सबका विकास' के नैरेटिव के विपरीत जाता दिखाई दे रहा है। जिससे शिक्षा प्रणाली में सामाजिक सामंजस्य की जगह टकराव बढ़ने की आशंका प्रबल होती जा रही है। संसद के बजट सत्र से पहले विपक्ष इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश में है। इस सबके बीच सरकार के स्तर पर कहा जा रहा है कि यूजीसी नियमों को लेकर भ्रांति फैलाई जा रही है। ताजा हालात इसके दूरगामी परिणामों की दस्तक दे रहे हैं। इस मसले पर सरकार को भी अड़ियल रुख अपनाने के बजाए उचित समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना होगा।

लाला लाजपत राय जयंती (28 जनवरी) पर विशेष:

भविष्य निर्माण के लिए अतीत के सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव जरूरी

लाला लाजपत राय न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और उद्यमी भी थे। उनके द्वारा 1894 में स्थापित पंजाब नेशनल बैंक, लक्ष्मी बीमा कंपनी, आदि स्वदेशी वित्तीय संस्थान तथा पंजाब और उत्तर भारत में स्थापित डीएवी विद्यालयों और कॉलेज आदि संस्थाएं आज भी भारत की आर्थिक और शैक्षिक नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो लाला लाजपत राय की दूरदर्शिता को सिद्ध करती हैं। लाला लाजपत राय के साहित्यिक और भाषाई योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर विद्वान और हिन्दी के प्रबल समर्थक भी थे। उन्होंने शिवाजी और श्रीकृष्ण के साथ-साथ मैजिनी और गैरीबॉल्डी जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारियों की जीवनियां इसलिए लिखीं ताकि भारतीय युवा उनसे देशभक्ति की प्रेरणा ले सकें। उनका मानना था कि भाषा राष्ट्र की एकता का आधार होती है। उन्होंने पंजाब में उर्दू के प्रभुत्व के बीच हिन्दी को पहचान दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया। उन्होंने हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करने हेतु व्यापक जन-समर्थन जुटाया था। हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक अनहैप्पी इंडिया ब्रिटिश शासन के दुष्प्रचार का करारा जवाब थी।

-अशोक प्रवृद्ध-

देश में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर देने और भारतीय शिक्षा के प्रसार के लिए दयानंद एंग्लो-वैदिक विद्यालयों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाला लाजपत राय का जन्म पंजाब के मोगा जिले के धुडीके गांव में 28 जनवरी 1865 को एक अग्रवाल जैन परिवार में पिता फ़ारसी व उर्दू के विद्वान मुंशी कृष्ण आजाद व माता धर्म परायनी गुलाब देवी के घर में हुआ था। लाला लाजपत राय ने हरियाणा के रोहतक और हिसार के सरकारी विद्यालयों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1880 में लाहौर के राजकीय कॉलेज में कानून की पढ़ाई करने के लिए प्रवेश लिया। 1886 में उन्होंने हिसार में वकालत शुरू की। बाद में वे लाहौर चले गए और पंजाब उच्च न्यायालय में वकालत करने लगे। लाला लाजपत राय न केवल एक शिक्षित वकील थे, बल्कि उन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

विशेष रूप से हरियाणा के हिसार और रोहतक में उनकी वकालत और आर्य समाज के माध्यम से किए गए सुधारात्मक कार्य उनके व्यक्तित्व के बहुआयामी होने के प्रमाण हैं। उन्होंने 1894 में स्वदेशी की भावना के साथ पंजाब नेशनल बैंक की नींव रखने में मदद की, जो आज भी भारत के प्रमुख बैंकों में से एक है। वे 1920 के कलकत्ता अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष भी चुने गए थे। 1921 में उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ द पीपुल सोसाइटी नामक संस्था की स्थापना की, जिसका उद्देश्य अछूतोद्धार और सामाजिक सेवा के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करना था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में लाल, बाल, पाल नाम से प्रसिद्ध त्रिमूर्ति के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक और पंजाब केसरी अर्थात पंजाब का शेर के नाम से लोकप्रिय लाला लाजपत राय ने बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर कांग्रेस के भीतर गरम दल का नेतृत्व किया। उन्होंने पूर्ण स्वराज (स्वतंत्रता) की वकालत की और ब्रिटिश शासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। 1905 के बंगाल विभाजन के विरोध में उन्होंने स्वदेशी आंदोलन को पंजाब और शेष भारत में मजबूती से फैलाया। उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और भारतीय उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। लाला हंसराज के साथ मिलकर दयानंद एंग्लो वैदिक संस्थानों की स्थापना करना उनके दूरदर्शी होने का प्रतीक था, ताकि भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति का भी ज्ञान मिले। एक प्रखर लेखक के रूप में लाला लाजपत राय ने अनहैप्पी इंडिया, इंग्लैंड्स डेट टू इंडिया, द पॉलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडिया, द स्टोरी ऑफ माई लाइफ आदि प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं और यंग इंडिया, द पंजाबी आदि पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया। आज के संदर्भ में, 2026 में भी उनकी शिक्षाएं और राष्ट्रवाद के प्रति उनका समर्पण करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार 30 अक्टूबर 1928 को लाला लाजपत राय लाहौर में साइमन कमीशन के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध नारा दिया- साइमन गो बैक। विरोध को दबाने के लिए ब्रिटिश पुलिस अधीक्षक जेम्स ए. स्कॉट ने लाठीचार्ज का आदेश दिया। इस दौरान लाला जी के सीने और सिर पर गंभीर चोटें आईं। इन गंभीर चोटों के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और 17 नवम्बर 1928 को लाहौर (अब पाकिस्तान) में उनका निधन हो गया हो। उनकी मृत्यु का मुख्य कारण ब्रिटिश पुलिस द्वारा किया गया हिंसक लाठीचार्ज था।

30 अक्टूबर 1928 को ब्रिटिश पुलिस की पिटाई से घायल होने के बाद उन्होंने ऐतिहासिक शब्द कहे थे- मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी। उनका यह अंतिम सार्वजनिक उक्ति आज भी राष्ट्रवाद का सबसे शक्तिशाली प्रतीक माना जाता है। 30 अक्टूबर 1928 की वह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक मोड़ साबित हुई थी। 17 नवम्बर 1928 को लालाजी की मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस घटना ने भारत की पूर्ण स्वराज की मांग को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की थी। उनके बलिदान ने भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन की आग में घी का काम किया था। उनके बलिदान का बदला लेने के लिए ही भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने मूल रूप से जे.ए. स्कॉट को मारने की योजना बनाई थी, क्योंकि उसी ने लाठीचार्ज का आदेश दिया था। हालांकि, पहचान की चूक के कारण सहायक पुलिस अधीक्षक जॉन पी. सॉन्डर्स मारा गया। इसके बाद क्रांतिकारियों ने पर्चे बांटे थे जिन पर लिखा था- लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। इसी लाहौर केस के कारण अंततः 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई। इस तरह लालाजी के बलिदान ने न केवल युवाओं को प्रेरित किया, बल्कि ब्रिटिश शासन के अंत की शुरुआत भी कर दी थी।

लाला लाजपत राय न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और उद्यमी भी थे। उनके द्वारा 1894 में स्थापित पंजाब नेशनल बैंक, लक्ष्मी बीमा कंपनी, आदि स्वदेशी वित्तीय संस्थान तथा पंजाब और उत्तर भारत में स्थापित डीएवी विद्यालयों और कॉलेज आदि संस्थाएं संस्थाएं आज भी भारत की आर्थिक और शैक्षिक नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो लाला लाजपत राय की दूरदर्शिता को सिद्ध करती हैं। लाला लाजपत राय के साहित्यिक और भाषाई योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर विद्वान और हिन्दी के प्रबल समर्थक भी थे। उन्होंने शिवाजी और श्रीकृष्ण के साथ-साथ मैजिनी और गैरीबॉल्डी जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारियों की जीवनियां इसलिए लिखीं ताकि भारतीय युवा उनसे देशभक्ति की प्रेरणा ले सकें। उनका मानना था कि भाषा राष्ट्र की एकता का आधार होती है। उन्होंने पंजाब में उर्दू के प्रभुत्व के बीच हिन्दी को पहचान दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया। उन्होंने हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करने हेतु व्यापक जन-समर्थन जुटाया था। हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक अनहैप्पी इंडिया ब्रिटिश शासन के दुष्प्रचार का करारा जवाब थी। इसका हिन्दी अनुवाद दुखी भारत नाम से हुआ। वर्ष 2026 में भी, जब भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, लालाजी के हिन्दी सेवा के प्रयास अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। लाला लाजपत राय के कुछ अत्यंत प्रेरणादायक और दूरदर्शी अनमोल वचन आज भी प्रासंगिक हैं। ये विचार आज 2026 में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवनकाल में थे। लाला लाजपत राय का यह कथन आज भी हमें शीघ्र कार्रवाई की आवश्यकता और सतत प्रगति की सोच को उजागर करने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें उन्होंने कहा था -अतीत को देखते रहना व्यर्थ है, जब तक उस अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य न किया जाए।

उल्लेखनीय है कि अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य करना, न केवल एक विचार है, बल्कि राष्ट्र के उत्थान का एक ठोस मार्ग है। लाला लाजपत राय ने अपने संपूर्ण में जीवन इसी दर्शन को जीया था। भविष्य निर्माण के लिए सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव जरूरी है। अतीत का गर्व हमारे मूल्यों और पहचान से आता है। भविष्य की प्रगति तब तक स्थायी नहीं होती जब तक वह अपनी जड़ों से न जुड़ी हो। लाला लाजपत राय ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार माना था। आज के संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और प्राचीन भारतीय ज्ञान के मेल से युवाओं को सशक्त बनाना है। जिस प्रकार स्वदेशी का नारा अतीत में दिया गया था, आज का आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी का आधुनिक रूप है। स्थानीय उद्योगों और नवाचार को बढ़ावा देकर ही हम एक स्वाभिमानी भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। एक गौरवशाली भविष्य के लिए समाज का संगठित और भेदभाव मुक्त होना अनिवार्य है। लालाजी ने दलितों के उत्थान और सामाजिक सुधारों के लिए जो कार्य किए, उन्हें पूर्ण करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अधिकारों की मांग के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों का पालन करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण पेश करेगा। अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान में कर्म करना ही उज्जवल भविष्य की कुंजी है।

विश्व व्यवस्था को लेकर बढ़ती आशंका

-विवेक काटजू-

इस समय अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष सबसे बड़ा मुद्दा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आकार लेने वाली वैश्विक व्यवस्था के अस्तित्व से जुड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस व्यवस्था का तानाबाना बदल देना चाहते हैं। यह स्थापित वैश्विक व्यवस्था सभी देशों की संप्रभुता और समानता को प्रमुखता देती है। यह शक्ति के दुरुपयोग से देशों की क्षेत्रीय अखंडता से छेड़छाड़ को मान्यता नहीं देती।

इसमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास होता है कि कोई भी देश व्यापार में किसी अन्य देश के प्रति भेदभाव न करे या अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे। ट्रंप ने भेदभावपूर्ण टैरिफ लगाकर और ईरान में तख्तापलट की समर्थक ताकतों को शह देकर इन स्थापित मूल्यों को तोड़ा है। इससे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को राजधानी काराकास से अगवा कर उन्होंने इस दक्षिण अमेरिकी पड़ोसी देश की संप्रभुता का खुला उल्लंघन किया। इसी क्रम में येन-केन प्रकारेण ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने की उनकी मंशा डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता पर आघात करने को आतुर दिखती है। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था के संचालक के तौर पर ही संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। ट्रंप ने हाल में अपने नेतृत्व में जिस शांति बोर्ड की स्थापना का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है, उसे संयुक्त राष्ट्र के उनके संस्करण के रूप में में ही देखा जा रहा है। वैसे तो उनका कहना है कि इन दोनों संस्थाओं की जुगलबंदी काफी कारगर हो सकती है, लेकिन स्थापित संस्थाओं के प्रति ट्रंप का दुराग्रह किसी से छिपा नहीं रहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर ट्रंप ने यह कहकर निशाना साधने में संकोच नहीं किया कि ये संस्थाएं अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाईं।

पिछले साल आपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान में छिड़ी लड़ाई को रोकने का वे कई बार श्रेय ले चुके हैं, जबकि सच यही है कि पाकिस्तान की गुजारिश पर ही भारत ने संघर्ष विराम किया था। अब ट्रंप चाहते हैं कि उनका पीस बोर्ड हर तनाव और संघर्ष की स्थिति में हस्तक्षेप करे। स्पष्ट है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका पूरी तरह से दुनिया पर हावी हो जाए और देशों के बीच संवाद एवं सहभागिता वही निर्धारित करे। इसका अर्थ होगा कि रूस, चीन, भारत और फ्रांस तथा जर्मनी जैसे महत्वपूर्ण देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी। यही कारण है कि पीस बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित तमाम देशों ने इससे जुड़ाव को लेकर उदासीनता दिखाई है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों में ब्रिटेन और फ्रांस इसके चार्टर हस्ताक्षर समारोह में शामिल नहीं हुए। एक अन्य वीटो शक्ति वाले देश रूस ने भी इसमें भाग नहीं लिया तो कई यूरोपीय देश

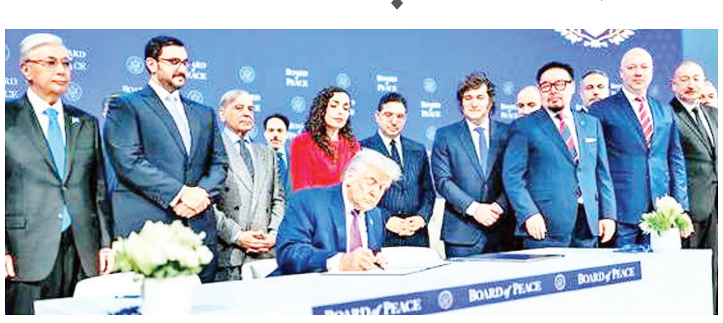

भी उसमें नदारद रहे। अरब के कुछ देश और पाकिस्तान जरूर इसमें शामिल हुए। पाकिस्तान का यह रुख कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह अपनी आर्थिक स्थिरता के लिए अमेरिका पर निर्भर है। चीन पर निर्भरता के बावजूद पाकिस्तान अमेरिका को अनदेखा नहीं कर सकता। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका के साथ पाकिस्तान के साथ संबंध फिर से पटरी पर आए हैं, जिसमें एक बड़ी भूमिका पाकिस्तान द्वारा आपरेशन सिंदूर को लेकर ट्रंप के दावों को मानने की भी है। उसने नोबेल पुरस्कार के लिए भी ट्रंप के नाम की पैरवी की थी।

पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को निशाने पर रखने वाले ट्रंप अब जहां उसे नजदीक ला रहे हैं, वहीं कनाडा जैसे पड़ोसी और निकट सहयोगी उससे छिटक रहे हैं। इसकी टीस बीते दिनों कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बातों में सुनाई दी। दावोस में कार्नी ने कहा कि स्थापित वैश्विक व्यवस्था अब टूट गई है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि हमें पता था कि इस व्यवस्था में आंशिक रूप से खामियां थीं और उसका स्वरूप भी सुविधाजनक था। अमेरिका और चीन में प्रतिस्पर्धा के परिदृश्य में उन्होंने अन्य देशों का आह्वान भी किया कि अगर सभी मिलकर काम करें तो अपनी आवाज दुनिया को सुना सकते हैं। ट्रंप के रवैये से कार्नी जैसे पश्चिमी नेता भले ही वैश्विक व्यवस्था की विरूपताओं की ओर ध्यान दिला रहे हों, लेकिन वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों ने हमेशा यह महसूस किया है कि इस व्यवस्था के सिद्धांत और व्यवहार में विसंगतियां हैं। यही कारण है कि भारत ने स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से ही वैश्विक दक्षिण की एकता के लिए काम किया है, ताकि वह अपने नजरिये को सामने रखते हुए एकजुट तरीके से अपने हितों की रक्षा कर सके। भारत ने बार-बार संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की बात की है और सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए अपना दावा भी पेश किया है। भारत विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाना चाहता है। भारत को भी पीस बोर्ड में शामिल होने का न्योता मिला है। भारत ने कहा है कि वह विचार-विमर्श के बाद ही इस संदर्भ में कोई निर्णय करेगा। इस परिप्रेक्ष्य में कुछ पहलुओं की पड़ताल उपयोगी होगी। अगर वह इसमें शामिल होने से इन्कार करता है तो ट्रंप के नाराज होने की आशंका और बढ़ जाएगी, जो पाकिस्तान से संघर्ष समाप्त कराने में अपनी भूमिका को भारत द्वारा नकारे जाने के कारण कुपित हैं। उन्होंने पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लगा रखे हैं, जिन्हें वे और बढ़ा सकते हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। वहीं, इस बोर्ड में शामिल होने के भी अपने जोखिम हैं। किसी बैठक के दौरान अगर ट्रंप कश्मीर को लेकर या भारत-पाक संबंधों पर कोई ऐसी बात कह दें, जिसका भारतीय प्रतिनिधि को वहां खुलकर विरोध करना पड़े तो यह बहुत असहज करने वाली स्थिति होगी। ऐसी स्थिति से बचा ही जाना चाहिए। यह भी तय नहीं है कि ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस बोर्ड का अस्तित्व बचा भी रहेगा या नहीं? इसमें सबसे उचित विकल्प यही रहेगा कि वह इस बोर्ड में शामिल न होकर संयुक्त राष्ट्र को समर्थन दे और उसमें सुधारों की बात को भी आगे बढ़ाता रहे।

सत्य की चमक चारों ओर

सत्य सदैव एक रूप में स्थित रहता है। वह किसी भी काल, किसी भी युग किसी भी परिस्थिति में परिवर्तित नहीं होता। वह प्रकाशमान तत्व सदैव एक समान बना रहता है। यानी जो अपरिवर्तनशील है, वही सत्य है और वह अपरिवर्तनशील तत्व नित्य, शुद्ध परमात्मा है जो समस्त देहधारियों में आत्मा के रूप में विद्यमान रहता है। उसी परमात्मा ने सारे जगत को धारण कर रखा है और सारा जगत उसी के भीतर व्याप्त है। सभी मानव शरीरों के अंदर रहते हुए भी कोई परमात्मा को जान नहीं पाता। वह इसलिए कि उसी की सत्ता से सारे शरीर प्रकाशमान होते हैं। उसी चेतन सत्ता के कारण मन-बुद्धि, इंद्रियां क्रियाशील होती हैं। सभी शरीरधारियों में मानव देह ही मात्र साधन धाम कहलाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि समस्त शरीरों में चाहे वह मनुष्य का हो या फिर किसी अन्य का, सभी में आहार, निद्रा, भय और मैथुन आदि क्रियाएं एक समान रूप से होती हैं, लेकिन मनुष्य को ईश्वर ने अतिरिक्त एक अन्य गुण भी प्रदान किया है, वह है विवेक। परमात्मा ने मनुष्य को विवेकशील प्राणी बनाया है। जो व्यक्ति अपने उसी विवेक का प्रयोग कर सार-असार का विभेदन करता हुआ विश्व रूप परमात्मा की शरण में जाता है, तो ईश्वर की कृपा रूपी प्रसाद को प्राप्त कर उस परम सत्य का साक्षात्कार कर लेता है। दूसरी ओर ईश्वर रचित माया (प्रकृति) चंचल, अनित्य व परिवर्तनशील है। इसमें नित्य एकरूपता नहीं रहती। पंच महाभूतों-आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी तत्वों से निर्मित मनुष्य के शरीरों का संश्लेषण मां के गर्भ में होता है। इन्हीं पांचों तत्वों से निर्मित मनुष्य के शरीरों में सतत परिवर्तन होता रहता है। वह बालक से किशोर, जवान, फिर अधेड़ होते हुए वृद्ध हो जाता है। अंत में उसी शरीर का विलय पंच महाभूतों में हो जाता है। इसी प्रकार ऋतुओं में भी समयानुसार परिवर्तन होता रहता है। गर्मी बरसात में, बरसात जाड़े में और जाड़ा पुनः गर्मी में परिवर्तित हो जाता है। बीज वृक्ष बनता है। वृक्ष में अनेक शाखाएं फूट जाती हैं। इसमें फूल आता है। फूल से फल निकलते हैं। अंत में उसी वृक्ष से फिर बीज बनता है। यही प्रकृति की निश्चित नियति है। जो वस्तु पहले नहीं थी, बीच में दृष्टिगोचर प्रतीत होती है और अंत में फिर नहीं रहती, वही असत्य है और जो पहले भी थी अभी भी है और अंत में भी रहेगी, वही सत्य है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1714 - सर स्टैमफोर्ड रैफल्स ने सिंगापुर की खोज की।
1821 - अलेक्जेंडर द्वीप, अंटार्कटिका का सबसे बड़ा द्वीप, रूसी खोजकर्ता फैबियन गोटलिब वॉन बेलिंग्सहॉसन द्वारा खोजा गया था।
1846 - ऑलवाल की लड़ाई में ब्रिटिश ने पंजाब के सिखों को हराया।
1851 - इलिनोइस में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की स्थापना की गयी।
1859 - ओलंपिया शहर को संयुक्त राज्य अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में शामिल किया गया।
1871 - पेरिस के सामने पुर्शियों ने आत्मसमर्पण किया।
1878 - अमेरिका के न्यू हेवन में पहला टेलीफोन एक्सचेंज बना।
1902 - वॉशिंगटन डी.सी. में कार्नेगी इंस्टीट्यूशन की स्थापना हुई।
1922 - वाशिंगटन, डी.सी. में सबसे बड़ी दर्ज की गई बर्फबारी से हुई बर्फबारी। इतिहास के कारण नॉकरबॉकर थियेटर की छत गिर गई, जिससे 98 लोग मारे गए।
1935 - आइसलैंड गर्भपात को वैध घोषित करने वाला पहला पश्चिमी देश बना।
1958 - डेनिश खिलौना कंपनी लेगो ग्रुप ने लेगो ईंटों के अपने डिजाइन का पेटेंट कराया।
1960 - चीन और बर्मा (अब म्यांमार) ने दोनों देशों के बीच की सीमा को निर्दिष्ट करने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
1961 - एचएमटी घड़ियों की पहली फैक्ट्री की आधारशिला बेंगलुरु में रखी गयी।
1964 - एक प्रशिक्षण मिशन पर एक निहत्थे अमेरिकी वायु सेना के टी - 39 सब्रेलाइनर को सोवियत मिग -19 द्वारा पूर्वी जर्मनी के एरफर्ट पर गोली मार दी गई, जिससे तीनों मारे गए।
1982 - 42 दिन पहले इतालवी रेड ब्रिगेड द्वारा अपहरण किए जाने के बाद, संयुक्त राज्य सेना के जनरल जेम्स एल डोजियर को आतंकवाद विरोधी बल एनओसीएस द्वारा मुक्त कर दिया गया था।
1984 - ट्रॉपिकल स्टॉर्म डोमोइना ने दक्षिणी मोजाम्बिक में भूस्खलन किया, जिससे इस क्षेत्र में सबसे अधिक बाढ़ आई।
1990 - लंदन ने 'इंडिपेंडेंट ऑन संडे' पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 1990 में शुरू किया।

उदाहरण बनी भारतीय चुनाव प्रणाली

-उमेश चतुर्वेदी-

पश्चिमी देशों की नजर में लोकतंत्र वही है, जो 1215 ईस्वी में इंग्लैंड में हुई मैग्नाकार्टा की संधि से उपजा। इस लोकतंत्र के नाते पश्चिमी देशों में एक खास तरह का श्रेष्ठताबोध है। ऐसे सोच वाले देशों में चुनाव कराने वाली संस्थाओं के संगठन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आइडीईए) की अध्यक्षता भारत को मिलना मामूली बात नहीं। हाल में दिल्ली में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में इस संगठन का सम्मेलन हुआ। इसके जरिये आयोग ने भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों से पश्चिमी देशों को एक तरह से परिचित कराने की कोशिश की। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अभी 37 है।

अमेरिका और जापान इसके स्थायी पर्यवेक्षक हैं। इस समय दुनिया की आबादी करीब आठ अरब है। इस लिहाज से यह संगठन करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाताओं का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसमें अकेले भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। इसके हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। घरेलू मोर्चे पर जिस समय भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त चुनाव आयोग के हाथ इस संस्था की कमान

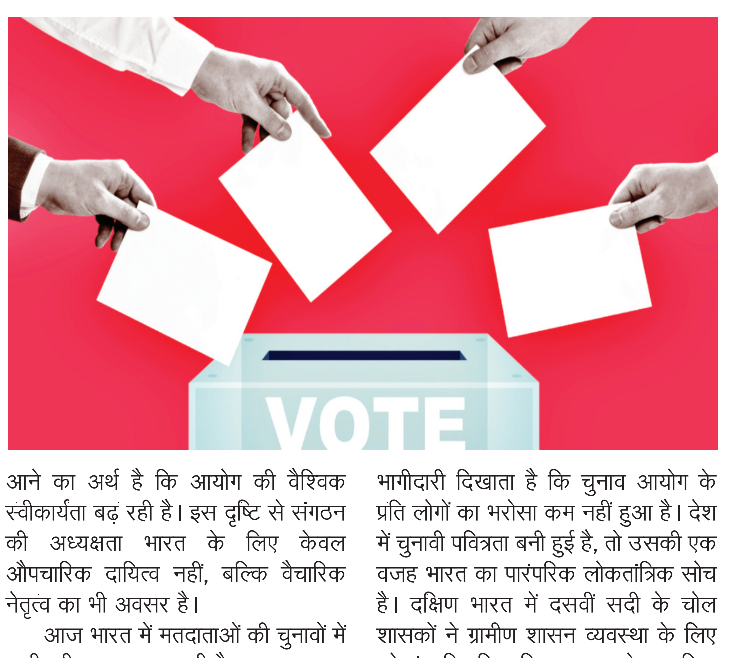

आने का अर्थ है कि आयोग की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस दृष्टि से संगठन की अध्यक्षता भारत के लिए केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व का भी अवसर है।

आज भारत में मतदाताओं की चुनावों में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह एक तरह से चुनाव व्यवस्था की सफलता है। चुनावी प्रबंधन में बढ़ता नवाचार, डिजिटल चुनाव प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं तक बढ़ती पहुंच-ये सभी चुनाव आयोग के प्रयासों से ही संभव हुए हैं। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने बहुत प्रयोग किए हैं। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी दिखाता है कि चुनाव आयोग के प्रति लोगों का भरोसा कम नहीं हुआ है। देश में चुनावी पवित्रता बनी हुई है, तो उसकी एक वजह भारत का पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दक्षिण भारत में दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो तंत्र विकसित किया था, उसे आधुनिक राजनीतिक विज्ञानी भी श्रेष्ठ मानते हैं।

मैग्नाकार्टा से पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर द्वारा स्थापित अनुभव मंडपम में समाज के हर वर्ग के लोग अपने धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे। राजनीतिशास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रारंभिक रूप मानते हैं। दुनिया में बढ़ता ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप, चुनावों में काले धन का बढ़ता उपयोग तथा युवाओं की घटती रुचि ने आधुनिक लोकतंत्र के समक्ष गंभीर खतरे खड़े कर दिए हैं। जनमत को प्रभावित करने के लिए एआइ का बढ़ता इस्तेमाल कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भारत के अनुभव और उसका सफल चुनावी माडल वैश्विक मंच पर लोकतांत्रिक देशों की चुनाव प्रणालियों के लिए आशा की किरण बन सकता है।

हमारे लोकतंत्र की ताकत केवल चुनाव प्रक्रिया नहीं, बल्कि हर वोट को मिली अहमियत से है। इसी वजह से विविधतापूर्ण समाज, भाषा, धर्म और असमानताओं के बावजूद भारतीय चुनाव प्रणाली शांतिपूर्ण बनी हुई है। बहुलतावादी समाज भारतीय लोकतंत्र की बाधा नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। पश्चिमी देशों और ग्लोबल साउथ की लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों की तुलना में भारतीय चुनाव प्रबंधन कहीं अधिक उपलब्धिपूर्ण दिखाई देता है। अमेरिका और यूरोप में न केवल मतदाता भागीदारी लगातार घट रही है, बल्कि अविश्वास और सामाजिक टकराव जैसी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं।

इसके विपरीत विविधता के बावजूद हमारी व्यवस्था समाधान का शांतिपूर्ण माध्यम बनी हुई है। इसमें महिलाओं और युवा मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी ने लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत किया है। आमजन का राजनीतिक व्यवस्था के प्रति बढ़ता भरोसा भी इसी का प्रतीक है। विविध सामाजिक पहचान, जाति, पंथ और भाषा होने के बावजूद यदि भारत में पश्चिम जैसा सामाजिक टकराव नहीं है, तो इसकी प्रमुख वजह लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रक्रिया में भारतीय मतदाता का अटूट विश्वास है। भिन्न सामाजिक पहचानों के बीच सामुदायिक संतुलन और सामाजिक सह-अस्तित्व हमारे लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी हैं। इसके पीछे चुनाव आयोग का सोच भी है। इसी सोच के कारण वह लगातार नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। ईवीएम, वीवीपैट, महिलाओं एवं दिव्यांगजनों द्वारा संचालित तथा थीम आधारित मतदान केंद्र, पोस्टल बैलेट, सूचना एवं प्रौद्योगिकी आधारित मतदाता सेवाएं और स्वीप जैसी पहलों को तेजी से व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त आइआइटी, आइआइएम जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता यह दर्शाती है कि चुनाव प्रबंधन को केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक अकादमिक और नीति-आधारित अध्ययन क्षेत्र के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। इसके चलते भारतीय लोकतंत्र का भविष्य पश्चिम की तुलना में अधिक व्यापक और स्थायी हुआ है। यही कारण है कि वैश्विक विमर्श में भारतीय चुनाव माडल दुनिया के लिए प्रेरक बन चुका है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, बजट पास करना भी जरूरी: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। संसद के बुधवार से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले मंगलवार को बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष को सभी मुद्दों पर चर्चा कराने का आश्वासन दिया। साथ ही यह भी कहा कि यह बजट सत्र है और देश चलाने के लिए बजट पास करना भी अनिवार्य है।

संसद भवन के मुख्य समिति कक्ष में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से कहा, ₹संसदीय लोकतंत्र में सभी सांसदों का कर्तव्य है कि वे जनता की बात रखें और साथ ही एक-दूसरे की बात भी सुनें। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन यह बजट सत्र है और देश चलाने के लिए बजट पास करना अनिवार्य है।₹ रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और बजट चर्चा के दौरान सदस्य विभिन्न विषय उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कभी नियमों और संविधान की अनदेखी नहीं की और संसद का संचालन पूरी तरह संविधान के अनुरूप ही होता है। यूजीसी के नए दिशानिर्देशों को लेकर विपक्ष द्वारा मुद्दा उठाए जाने के सवाल पर रिजिजू ने कहा कि सरकार किसी एक विषय तक सीमित नहीं रहना चाहती, लेकिन बजट सत्र का मुख्य फोकस बजट पर चर्चा और उसे पारित करना ही रहेगा। सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने भी अपनी-अपनी मांगें और मुद्दे सामने रखे। बैठक के बाद द्रविण मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के सांसद टीआर बालू ने कहा, ₹हमने सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु के मछुआरों के मुद्दे, होसुर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को मंजूरी न मिलना, कच्चाथीवू को वापस लेने, अमेरिका के टैरिफ, मदुरै और कोयंबटूर मेट्रो प्रोजेक्ट जैसे मुद्दे उठाए। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के संसदीय दल के नेता लवु श्रीकृष्ण देवरायलु ने आंध्र प्रदेश से जुड़े अमरावती राजधानी विधेयक का मुद्दा उठाते हुए न्याय की मांग की।

उन्होंने जल जीवन मिशन की राशि के उपयोग और रायलसीमा को बागवानी हब के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा कि पार्टी ने सरकार से जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने केरल में रेलवे परियोजनाओं, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना और कुछ योजनाओं को वापस लेने की मांग रखी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने पश्चिम बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे संसद में चर्चा के लिए उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल हैं और इससे जुड़ी कथित अनियमितताओं पर संसद में बहस होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष शासित राज्यों के लिए केंद्रीय धन रोका जा रहा है और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। बैठक में विपक्षी दलों ने एक स्वर में कहा कि संसद एकतरफा नहीं हो सकती और विपक्ष को भी अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने संसद की गरिमा बनाए रखने और विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, प्रमोद तिवारी, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस के नेता सागरिका घोष और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव समेत कई अन्य नेता भी बैठक में शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर 02 अप्रैल तक चलेगा। केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा।

सरकार का साल 2032 तक 3-नैनोमीटर चिप बनाने का लक्ष्य: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार का साल 2032 तक आधुनिक स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 3-नैनोमीटर नोड के उच्च तकनीक वाले छोटे चिप बनाने का लक्ष्य है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम की डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत मंजूर की गई 24 सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन कंपनियों के साथ बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद कहा, 'साल 2032 तक हमारा लक्ष्य 3-नैनोमीटर चिप के डिजाइन और विनिर्माण के स्तर तक पहुंचना है। डिजाइन का काम तो हम आज भी कर रहे हैं लेकिन विनिर्माण के स्तर पर 3-नैनोमीटर तक पहुंचना होगा।' उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र को इन छह प्रकार के चिप के किसी न किसी संयोजन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के दूसरे चरण के तहत सरकार चिप की छह श्रेणियों कंप्यूट, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ), नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे देश की कंपनियों को 70-75 फीसदी प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास पर प्रमुख नियंत्रण मिल सकेगा। वैष्णव ने कहा कि सरकार छह प्रमुख प्रणालियों पर ध्यान देना चाहती है ताकि देश के पूरे सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र समग्र और व्यापक रूप से विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्षों से सपना था कि भारत की कंपनियां सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन करें और भारत में सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन हो। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में 10 परियोजना निर्माण में हैं, जबकि 4 प्रोजेक्ट में इस साल उत्पादन शुरू करेंगे। वैष्णव ने कहा कि 24 स्टार्टअप ने सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन किए हैं और 67 हजार छात्रों ने सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन की ट्रेनिंग ली है।

मंत्री ने कहा कि कंप्यूटर, आरएफ, नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी इन छह प्रमुख श्रेणियों में हम शिक्षा जगत और उद्योग को नए विचार, नई सोच और नए समाधान लेकर आने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम 2029 की ओर बढ़ेंगे, देश में ऐसे चिप के डिजाइन और विनिर्माण की बड़ी क्षमता विकसित हो जाएगी, जिनकी जरूरत हमारे देश में लगभग 70-75 फीसदी अनुप्रयोगों में होती है।

उत्तराखंड ने जल गुणवत्ता परीक्षण में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया: सतपाल महाराज

नई दिल्ली। राज्य के सिंचाई एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में जल जीवन मिशन के तहत वर्ष 2025-26 में जल गुणवत्ता परीक्षण का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है।

मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. सी. सुब्रमणियम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ग्रामीण पेयजल सेवाओं के सतत संचालन एवं रखरखाव पर मंत्री स्तरीय नीतिगत संवाद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्रामीण पेयजल योजना की संरचना और रखरखाव नीति में केंद्र सरकार के सुझावों को सम्मिलित करते हुए विस्तृत नीति बनाई है। योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव का कार्य स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कराए जाने की व्यवस्था भी इसमें शामिल की गई है। उन्होंने कहा कि 65 फीसदी योजनाओं की सुजलाम आईडी तैयार की जा चुकी है और 5071 पंचायतों में जल सेवा आकलन किया जा चुका है। शेष पंचायतों में कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा।

मंत्री महाराज ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील से 7800 ग्राम पंचायतों में नल जल मित्रों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता की अपील की। वर्तमान में 6800 नल जल मित्रों का चयन किया जा चुका है, जिन्हें 42-दिन का प्रशिक्षण दिया जाना है। मंत्री ने राज्य में 1500 करोड़ रुपये की बकाया राशि और 1096 योजनाओं की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की और आवश्यक धनराशि की मुक्ति की मांग की।

वंदे मातरम राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीकः ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। बिरला ने यह बात सोमवार शाम को लाल किला परिसर में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव 'भारत पर्व-2026' के उद्घाटन के अवसर पर कही। बिरला ने भारत पर्व को भारत की बहुआयामी आत्मा का उत्सव बताते हुए कहा कि इस वर्ष का उत्सव ऐतिहासिक है क्योंकि देश हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वां गौरवशाली वर्ष मना रहा है। यह गीत न केवल हमारी आजादी की लड़ाई का मंत्र था, बल्कि आज भी यह राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। लोकसभा अध्यक्ष ने इस महोत्सव को उन कलाकारों, शिल्पकारों और किसानों को समर्पित किया जो भारत की सदियों पुरानी विरासत और लोक परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। दिखने वाली विविधता केवल दृश्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीयता के गहरे सार को प्रदर्शित करती है जहां परंपरा और आधुनिक तकनीक एक साथ मिलकर विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।इनमें गणतंत्र दिवस परेड की 41 भव्य झांकियों का प्रदर्शन, राज्यों, संगीत नाटक अकादमी और प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा 48 सांस्कृतिक कार्यक्रम, सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों द्वारा 22 जादुई प्रस्तुतियां, देशभर से आए कारीगरों के 102 स्टॉल (हथकरघा और हस्तशिल्प), फूड कोर्ट में भारत के विभिन्न राज्यों के लजीज व्यंजनों वाले 60 स्टॉल और 34 राज्य पर्यटन मंडप और 24 केंद्रीय मंत्रालयों के स्टॉल लगाए गए हैं। पर्यटन मंत्रालय ने इस आयोजन को 'जनभागीदारी' की भावना से जोड़ते हुए आम जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा है।

रोजगार घटा, असमानता बढ़ी और जीडीपी आंकड़े अविश्वसनीय : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में असमानता बढ़ने, एफडीआई नकारात्मक होने, एशिया में पिछले एक साल में रुपए के सबसे कमजोर प्रदर्शन के साथ केंद्र सरकार पर जीडीपी के आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बताने का आरोप लगाया।

कांग्रेस के पूर्व सांसद और एआईसीसी रिसर्च विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजीव गौड़ा ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'रियल स्टेट ऑफ द इकोनॉमी 2026' जारी करते हुए केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को चमकदार बताती है लेकिन हकीकत यह है कि नौकरियां घट रही हैं, असमानता बढ़ रही है और आम लोगों की हालत खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में रोजगार का हिस्सा घटा है, जबकि कृषि पर निर्भरता बढ़ी है। रोजगार वृद्धि मुख्यतः कम वेतन वाली, गिग अर्थव्यवस्था और अनौपचारिक क्षेत्र में हो रही है, जहां कर्मचारियों को न तो कॉन्ट्रैक्ट मिलता है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

उन्होंने कहा कि देश में असमानता बढ़ रही है। शीर्ष 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय और संपत्ति का अधिकांश हिस्सा अपने पास रखते हैं, जबकि आधी आबादी को बेहद कम हिस्सा मिलता है। पांच में से चार भारतीय 200 रुपये प्रतिदिन से कम पर गुजारा करते हैं। उन्होंने सरकार के आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आईएमएफ ने इन्हें सी ग्रेड दिया है। भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम ने हिसाब लगाया कि सरकार द्वारा जारी जीडीपी आंकड़े वास्तविकता से कम से कम 2.5 फीसदी अधिक हैं। गौड़ा ने कहा कि रुपये का प्रदर्शन एशिया में सबसे कमजोर रहा है, नेट एफडीआई नकारात्मक हो गया है और हर साल हजारों करोड़पति देश छोड़ कर विदेश में निवेश कर रहे हैं। केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था को 'गोल्डीलॉक्स मोमेंट' (एकदम संतुलित अवस्था में होना) बताती है, लेकिन असलियत यह है कि असमानता बढ़ रही है।

शबरिमला में सोने की चोरी के विरोध में कांग्रेस ने केरल भर में प्रदर्शन किया

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस ने शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर से सोने की कथित तौर पर चोरी समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य भर के जिला कलेक्टर कार्यालयों तक मंगलवार को विरोध मार्च निकाला।

कांग्रेस ने राज्य की राजधानी में सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जहां विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने शबरिमला सोने की चोरी के मुद्दे के संबंध में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ मंत्रियों वी. शिवनकुट्टी और एम. बी. राजेश द्वारा लगाए गए हालिया आरोपों को 'पूरी तरह निराधार' करार दिया। विरोध प्रदर्शन स्थल पर मौजूद अन्य नेताओं ने भी इसी तरह की टिप्पणियां कीं। राज्य के अन्य हिस्सों जैसे कोच्चि में आयोजित विरोध प्रदर्शनों में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'पोटिये केट्टिये' नाम से व्यंग्य गीत गाया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इडुक्की में विरोध मार्च को रोकने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों के साथ हुई धक्का-मुक्की के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष सी. पी. मैथ्यू गिर गए और उनके सिर में चोटें आई हैं। सूत्रों ने बताया कि फिलहाल उनका इलाज किया जा रहा है।

नौ लाख के गहनों से भरा बैग ट्रेन में छूटा, जीआरपी ने ढूंढकर लौटाया

जोधपुर। ट्रेन में यात्रा के समय यात्री का गहनों से भरा बैग छूट गया। इसकी सूचना उन्होंने हेल्पलाइन के जरिए जीआरपी को दी। इसके बाद जीआरपी की मदद से लाखों के जेवरात को वापस लौटाया गया।

दरअसल जोधपुर में जनता कॉलोनी निवासी विक्की और उसकी पत्नी प्रियंका गाड़ी संख्या 14707 में मूंडवा से जोधपुर के लिए बैठे थे। जोधपुर पहुंचने के बाद वे जोधपुर उतर गए, लेकिन एक बैग

ट्रेन में ही रह गया। इसमें जेवरात थे। इसकी सूचना उन्होंने 139 पर दी कि एक काले रंग का बैग छूट गया है। सूचना मिलने पर लूणी जीआरपी चौकी की एएसआई कंचन राठौड़ और हैड कांस्टेबल कविता बिश्नोई ने गाड़ी संख्या 14707 के लूणी स्टेशन पहुंचने पर सीट पर जाकर देखा।

एक काले रंग का बैग मिला, जिस पर सह यात्रियों से पूछने पर किसी ने अपना नहीं होना बताया। मौके पर मौजूद लोगों की मौजूदगी में बैग खोलकर देखने पर कीमती जेवरात व कपड़े पाए गए। सामान कीमती होने पर सामान को जीआरपी चौकी लूणी लाया गया। इसके बाद यात्री को सामान मिलने की जानकारी दी गई। यात्री विक्की अपनी धर्मपत्नी प्रियंका के साथ लूनी स्टेशन आए।

इसके बाद जेवरात व बैग के मलिकाना हक की पूरी जांच के बाद रेलयात्री विक्की को दिया गया। जेवरात की कीमत लगभग नौ लाख रुपए बताई गई।

हमारी सरकार ने राज्य के शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत ध्यान दिया है : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

मधुबनी। मुख्यमंत्री ने आज मधुबनी जिला के झंझारपुर प्रखण्ड के अररिया संग्राम स्थित दुर्गा मंदिर के निकट आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में सात निश्चय-2 के तहत सभी योजनाओं पर काफी काम हुआ है और जो भी काम बचे हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा। सात निश्चय-2 के तहत ही युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया।

अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा 40 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है। बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। 2024 के केन्द्रीय बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गयी। 2025 के बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अगले 5 वर्षों (2025-2030) में कई कार्य कराये जायेंगे। सरकार द्वारा पहले कार्यकाल 2005-2010 तक, दूसरे कार्यकाल 2010-2015 तक, तीसरे कार्यकाल 2015-2020 तथा चौथे कार्यकाल 2020-2025 को मिलाकर चारों कार्यकाल में हर क्षेत्र में काम हुआ है । मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 वर्षों के लिए सात निश्चय 3 का गठन किया गया है। (1) दोगुना रोजगार दोगुनी आय राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना किया जायेगा तथा इसके लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हर महिला को 10 हजार रूपये दिये गये हैं। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रूपये तक की सहायता दी जायेगी। अगले 5 वर्षों में युवाओं को 1 करोड़ नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराये जाएंगे। इसके लिए नये युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की जायेगी। नये बड़े उद्योगों के लिए मुफ्त भूमि एवं अनुदान दिया जा रहा है। पुरानी बंद चीनी मिलों को चालू किया जायेगा। कृषि विकास के लिए पहले से ही काफी काम किया गया है। इस काम में और तेजी लाने के लिए एक नये बिहार विपणन प्रोत्साहन निगम की स्थापना की गयी है। मखाना के उत्पादन को और बढ़ावा दिया जायेगा। डेयरी एवं मछली पालन पर विशेष जोर दिया जायेगा। उन्नत शिक्षा उज्ज्वल भविष्य- राज्य में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय एवं डिग्री कॉलेज खोला जायेगा। एक नये एजुकेशन सिटी का निर्माण कराया जायेगा।

स्वास्थ्य-सुरक्षित जीवन- स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए जिला एवं प्रखंड के अस्पतालों को विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र बनाया जायेगा। राज्य में प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों की स्थापना के लिए प्रोत्साहन दिया जायेगा। सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की नीति लायी जायेगी। मजबूत आधार आधुनिक विस्तार- आधारभूत संरचनाओं को बेहतर किया जायेगा । मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको याद होगा कि मधुबनी जिले का पहले क्या हाल था। वर्ष 2005 से पहले की सरकार ने कुछ नहीं किया। हमलोगों ने मधुबनी जिले में विकास के सभी काम करा दिये हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना की गयी है।

मुंबई-नवी मुंबई एयरपोर्ट मेट्रो को फडणवीस कैबिनेट ने दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक मेट्रो लाइन 8 के कनेक्शन को मंजूरी मिल गई है।

मंगलवार को मुंबई स्थित मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मेट्रो लाइन की कुल लंबाई 35 किलोमीटर, अंडरग्राउंड लाइन 9.25 किलोमीटर, एलिवेटेड लाइन 24.636 किलोमीटर, कुल 20 स्टेशन, 6 स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। साथ ही इस प्रोजेक्ट में 14 स्टेशन एलिवेटेड होंगे। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल 2 स्टेशन से घाटकोपर ईस्ट तक अंडरग्राउंड स्टेशन, घाटकोपर वेस्ट स्टेशन से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल 2 स्टेशन तक एलिवेटेड स्टेशन, दो स्टेशनों के बीच औसत दूरी 1.9 किलोमीटर, ज़मीन अधिग्रहण की ज़रूरत 30.7 हेक्टेयर है, ज़मीन अधिग्रहण की लागत 388 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट की कुल लागत 22,862 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में राज्य और केंद्र सरकार दोनों वायबिलिटी गैप फंडिंग का 20 प्रतिशत योगदान देंगे। बाकी 60 प्रतिशत मेट्रो बनाने वाली प्राइवेट पार्टी द्वारा लाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट को पूरा करने का कार्यकाल पांच साल का तय किया गया है, लेकिन वे चाहते हैं कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ साढ़े तीन सालों में पूरा हो जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में 'अटल सेतु' स्कीम लागू करने, ठेकेदारों के पेंडिंग पेमेंट के लिए ट्रेड्स प्लेटफॉर्म बनाए जाने, धुले में जवाहर शेतकरी कोऑपरेटिव स्पिनिंग मिल को फिर से शुरू किए जाने, अलग-अलग मकसद के लिए दी गई सरकारी ज़मीन का लीज़ पीरियड बढ़ाए जाने आदि महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

‘यूपी दिवस-2026’ समारोह का रंगारंग समापन

समारोह में लोक कलाकारों ने बिखेरी नृत्य और गायन से माटी की खुशबू

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ‘यूपी दिवस-2026’ के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय भव्य सांस्कृतिक उत्सव में कलाकारों ने राज्य की समृद्ध कला, संस्कृति, लोक परंपराओं व विकास यात्रा को विविध रूप से प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर 24 से 26 जनवरी तक चले इस मुख्य कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान लाखों की संख्या में प्रदेशवासियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को जनोत्सव में बदल दिया। इस अवसर पर लोक कलाकारों के अलावा ओशन बैंड के रॉक फ्यूज़न तथा विनीत सिंह व प्रतिभा सिंह बघेल की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।मुख्य समारोह में जहां विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों ने प्रदेश की विकास यात्रा को दर्शाया, वहीं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को मंच पर उतारा। वाराणसी के सौरव-गौरव मिश्रा ने कथक नृत्य की शास्त्रीय लय प्रस्तुत की तो पूरन महाराज के तबला वादन ने मंच को झंकृत कर दिया। बनारस की श्वेता दुबे और आजमगढ़ के शीतला मोहन मिश्रा के मधुर गायन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया तो लखनऊ के विशाल गुप्ता ने शास्त्रीय नृत्य की छटा बिखेरी। उन्नाव के चंद्र भूषण ने नाटक का मंचन कर तालियां बटोरीं तो प्रसिद्ध इंडियन ओशन बैंड के रॉक व फ्यूज़न म्यूजिक ने खासकर युवा श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।यूपी दिवस के दूसरे दिन, 25 जनवरी का मुख्य आकर्षण रही मुंबई

के विनीत सिंह की सुगम संगीत की प्रस्तुति, जिसने श्रोताओं की जमकर वाहवाही बटोरी। इसके अलावा दिनभर चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में झांसी के वीरेंद्र सिंहल ने बुंदेली और लखनऊ की रंजना अग्रहरी ने लोक गायन से मंच पर मिट्टी की खुशबू बिखेरी। वाराणसी के गणेश पाठक के भजन गायन ने भक्ति रस की वर्षा की, झांसी की वंदना कुशवाहा ने राई लोकनृत्य और वाराणसी के राहुल-रोहित मिश्रा की कथक जोड़ी ने लय-ताल का जादू बिखेरा। दिल्ली के हरीश तिवारी ने शास्त्रीय गायन और लखनऊ के इल्मास खान ने तबला वादन से लोगों का दिल जीत लिया। यूपी दिवस समारोह के समापन दिवस, 26 जनवरी को प्रसिद्ध गायिका प्रतिभा सिंह बघेल के भजन एवं सुगम संगीत ने श्रोताओं की जमकर प्रशंसा हासिल की। मथुरा की सुधा पाल ने लोक नृत्य तथा दिल्ली की देविका एस. मंगलामुखी ने कथक नृत्य प्रस्तुत कर आम जनमानस को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से परिचित कराया। लखनऊ के अजय पांडेय के लोक गायन और कौशांबी के छेदीलाल के बिरहा गायन ने लोक जीवन के विविध भावों को व्यक्त किया। रायबरेली के शिव व शिवांग के गायन के साथ विभिन्न घरानों की नृत्य एवं गायन प्रस्तुतियों ने उत्सव का शानदार समापन सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।यूपी दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाएं ओडीओसी (एक जिला-एक व्यंजन) और ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) के उत्पाद रहे। ओडीओसी के व्यंजनों ने यूपी के स्थानीय स्वाद से लोगों का मन लुभाया तो ओडीओपी के उत्पादों ने प्रदेश की पारंपरिक कारीगरी व शिल्प से जनता को परिचित कराया। इसके साथ ही संस्कृति विभाग की ओर से बसाए गए ‘कला गांव’ ने उत्तर प्रदेश के ग्रामीण परिवेश का जीवंत रूप प्रदर्शित किया। यहां रामायण के पात्रों का रूप धारण किए हुए कलाकारों, कठपुतली नाच, रस्सी पर करतब करते कलाकारों और खाट पर चाय की व्यवस्था ने लोगों को आंचलिक उत्तर प्रदेश का अनुभव प्रदान किया। नृत्य-संगीत की इन प्रस्तुतियों ने न केवल लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि उन्हें उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, प्रतिभाओं व धरोहरों से भी परिचित कराया। इस आयोजन से प्रदेशवासियों को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव करने का सुनहरा अवसर मिला।

शंकराचार्य के मुद्दे पर योगी के समर्थन में जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर का त्यागपत्र

अयोध्या। प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में अयोध्या के जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने नौकरी से अपना त्यागपत्र राज्यपाल के पास भेज दिया है। उन्होंने दो पन्ने के त्यागपत्र में इसकी वजह भी बताई है।

शंकराचार्य से विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उत्तर प्रदेश के बरेली सिटी मजिस्ट्रेट पद से अलंकार अग्निहोत्री के त्यागपत्र का मामला अभी शांत नहीं हुआ। अब अयोध्या से एक अन्य अधिकारी ने मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में त्यागपत्र देने की खबर आ गई। अयोध्या के जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने

अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है। राज्यपाल को त्यागपत्र भेजने के बाद मंगलवार को जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने पत्रकारों से कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। प्रशांत कुमार ने कहा कि शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री योगी पर अभद्र टिप्पणी करके उनका अपमान किया है। मैं इसी प्रदेश का नमक खाता हूं और प्रदेश से ही मुझे वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, इस तरह से मैं उनका अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस घटना के बाद पिछले तीन दिन से मैं आहत था, इसलिए त्यागपत्र दिया है।

उन्होंने कहा कि जब मेरा त्यागपत्र मंजूर हो जाएगा तो मैं अपने संसाधनों से सामाजिक कार्य में लग जाऊंगा। पत्नी को फोन कर हुए भावुक जीएसटी कमिश्नरअपने पद से त्यागपत्र देने वाले जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने अपनी पत्नी को फोन कर अपनी नौकरी से त्यागपत्र दिए जाने की जानकारी दी। बातचीत के दौरान वे फोन पर भावुक हो गए। उन्होंने रोते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में मैंने त्यागपत्र दिया है।

वर्दी में इंस्पेक्टर ने छुए सांसद के पैर, वीडियो वायरल

कानपुर देहात। शिवली थानाक्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां खाकी वर्दी में शिवली थाने के इंचार्ज सांसद के पैर छूते नजर आ रहे हैं। जनपद के शिवली थाने के प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सिंह का अकबरपुर लोकसभा के सांसद देवेंद्र सिंह भोले के पैर छूते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रंजीतपुर के एक विद्यालय में अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले पहुँचे थे। जब वह कार्यक्रम के बाद वापस जाने के लिए अपनी कार में बैठ रहे थे, तभी ड्यूटी पर तैनात वर्दी में खड़े निरीक्षक ने सांसद देवेंद्र सिंह भोले के चरण छूकर प्रणाम किया। पुलिस रेगुलेशन के अनुसार वर्दी में सिर्फ सीनियर और संविधान को सैल्यूट करने का नियम है। जनपद की पुलिस अधीक्षक ने वीडियोकी सत्यता की जांच कर कार्यवाही की बात कही है।

पुलिस ने किया लुटेरी दुल्हन गैंग का भंडाफोड़

संभल। जनपद संभल की चन्दौसी कोतवाली पुलिस ने फर्जी शादी के नाम पर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो शादी का झांसा देकर परिवारों से लाखों रुपये और जेवरात ठगने का काम करते थे। पुलिस के अनुसार यह गिरोह युवकों को शादी कराने का लालच देता था।

शादी के कुछ ही दिनों बाद दुल्हन घर से सोना-चांदी, नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो जाती थी। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उनकी पूरी जमा पूंजी और गहने इस तरह लूट लिए गए। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषण और नकद रुपये बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर लोगों को धोखे में रखते थे और शादी का नाटक कर ठगी को अंजाम देते थे।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और कई लोगों को अपना शिकार बना चुका था। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शादी जैसे मामलों

में पूरी जांच-पड़ताल करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जनपद संभल में 25 जनवरी के दिन चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के पतरौआ गांव में ग्रामीणों ने सूचना दी कि यहां पर एक महिला शादी करके आई थी जिसका नाम आयशा है । उसने अपना नाम पूजा बताकर शादी की थी और भागने की तैयारी कर रही थी। वह कुछ ज्वेलरी के साथ भागने की तैयारी कर रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई और उसे मिशन शक्ति केंद्र ले आई और उससे पूछताछ की। पुलिस ने इस संदर्भ में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

कर्तव्य पथ पर मंत्रमुग्ध दिखे दर्शक, उत्तर प्रदेश की झांकी ने बटोरी खूब सराहना

नई दिल्ली/लखनऊ। गणतंत्र दिवस-2026 के अवसर पर कर्तव्य पथ पर प्रस्तुत उत्तर प्रदेश की झांकी ने परेड स्थल पर मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार की गई इस झांकी में बुंदेलखंड की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का ऐसा प्रभावशाली समन्वय देखने को मिला, जिसने शुरुआत से अंत तक दर्शकों का ध्यान बांधे रखा।जैसे ही उत्तर प्रदेश की झांकी कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ी, दर्शक दीर्घा में उत्साह और जिज्ञासा साफ दिखाई दी। कैमरों की फ्लैश, मोबाइल फोन से रिकॉर्ड करते लोग और तालियों की गूंज यह दर्शा रही थी कि यह प्रस्तुति दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ रही है।

झांकी के अग्रभाग में कालिंजर दुर्ग की शैल-कला और एकमुख लिंग की प्रस्तुति ने बुंदेलखंड की प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान

को जीवंत कर दिया। इस हिस्से ने उत्तर प्रदेश की हजारों वर्षों पुरानी विरासत की भव्यता को प्रभावी ढंग से सामने रखा, जिसे देखकर दर्शक ठहरकर झांकी को निहारते नजर आए। झांकी के मध्य भाग में बुंदेलखंड की मृद्भांड कला, मनका शिल्प और पारंपरिक हस्तशिल्प को दर्शाया गया। ‘एक जनपद एक उत्पाद’ (ODOP) योजना के अंतर्गत प्रस्तुत इन कलाओं ने क्षेत्र की आत्मनिर्भरता और कारीगरी की समृद्ध परंपरा को उजागर किया। इस भाग में झांकी की गति के साथ-साथ दर्शकों की निगाहें भी थमी रहीं। बुंदेली लोकनृत्यों की रंगीन प्रस्तुतियों ने झांकी में ऊर्जा और उत्सवधर्मिता भर दी। कलाकारों की सजीव मुद्राएं और पारंपरिक वेशभूषा बुंदेलखंड के लोकजीवन और सांस्कृतिक विविधता को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करती नजर आईं। नीलकंठ महादेव मंदिर और कालिंजर दुर्ग की स्थापत्य झलकियों ने पर्यटन और आस्था के संगम को उकेरा। झांकी के अंतिम हिस्से में ब्रह्मोस मिसाइल, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की झलक ने उत्तर प्रदेश के नए स्वरूप को दर्शाया। विरासत से आधुनिकता की इस यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोते हुए विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

पूरी झांकी के दौरान दर्शक लगातार झांकी के हर हिस्से को ध्यान से देखते नजर आए। परंपरा और प्रगति के इस संतुलित संगम ने उत्तर प्रदेश की पहचान को राष्ट्रीय मंच पर और सशक्त किया। बुंदेलखंड की यह झांकी गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और विकासशील छवि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सफल रही।

वृंदावन बालिका संरक्षण गृह से पांच लड़कियां फरार, दो अपने घर पहुंचीं, तीन की तलाश जारी

मथुरा। जिले के वृन्दावन स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह से सोमवार की रात पांच लड़कियां फरार हो गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दो लड़कियां अपने घर पहुंचीं, जबकि शेष तीन की तलाश जारी है। अधिकारी ने बताया कि लड़कियों के गायब होने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एव अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। अधिकारी ने बताया कि ये सभी लड़कियां 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग की हैं, जिन्हें अलग-अलग कारणों से न्यायालय में चल रहे मामलों में बालिका संरक्षण गृह भेजा गया था। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि बालिका संरक्षण गृह की अधीक्षक गायत्री वर्मा द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, बीती रात एक से 1.30 बजे के बीच ये लड़कियां सिर पर कंबल ओढ़कर फरार हो गईं, ऐसा सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है। उन्होंने बताया कि घटना का पता सुबह चल सका। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण अधिकारी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि दो लड़कियों के बारे में जानकारी मिली है कि वे महावन तथा नौहझील स्थित अपने-अपने घरों पर पहुंच गई हैं, लेकिन बाकी तीन लड़कियों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शेष तीन लड़कियां आगरा व अलीगढ़ जनपदों की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए तीन अलग-अलग टीम बनाकर भेजी गई हैं और उन्हें भी जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा। कुमार ने मीडिया से कहा कि इस मामले की जांच के बाद, जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मूकबधिर नाबालिग को अगवा करने का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, किशोरी बरामद

कन्नौज। जिले के ठठिया थानाक्षेत्र में पुलिस ने अगवा की गयी एक मूक बधिर लडकी को मंगलवार को मुक्त कराते हुए उसका अपहरण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में आरोपी के घायल हो जाने के बाद उसके पास से मूकबधिर अपहृता सकुशल बरामद कर ली गई है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान लाला नट (40) के रूप में हुई है जो कानपुर देहात जनपद के हरिहरपुर का निवासी है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अजय कुमार ने बताया कि 26 जनवरी को ठठिया थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी थी कि उसकी 20 वर्षीय दिव्यांग बेटी अपनी चाची के साथ चारा लेने गई थी, तभी एक वाहन चालक आया और उसे अपने साथ ले गया।

एएसपी ने बताया कि इस तहरीर के आधार पर ठठिया थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 (अपहरण) के तहत अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। एएसपी ने बताया कि आज विशेष अभियान समूह (एसओजी), निगरानी दल एवं स्थानीय पुलिस जांच कर रही थी तथा

उसने एक वाहन को रोका तो उसका चालक भागने लगा ।उन्होंने बताया कि पुलिस घेराबंदी को देखकर आरोपी पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाने लगा तभी पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, फलस्वरूप वह पैर में गोली लगने पर घायल हो गया एवं पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को तिर्वा के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है तथा पीड़िता को बरामद कर लिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा (315 बोर), एक खोखा कारतूस, दो कारतूस, घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद की गयी। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

श्रृंखला जीतने के बाद अब भारत की निगाह स्पिनरों के अच्छे प्रदर्शन पर

विशाखापत्तनम। अब तक खेल के हर विभाग में अपना दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी जिसमें वह स्पिनरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भी करेगी। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पहले तीनों मैच जीत कर श्रृंखला अपने नाम कर ली है। लेकिन इस बीच उसके दो प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कुलदीप ने दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं और वह प्रभावित करने में असफल रहे हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए। जसप्रीत बुमराह, रवि बिश्नोई और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कीवी टीम को नौ विकेट पर 153 रन पर रोक दिया था। कुलदीप इससे पहले वनडे श्रृंखला में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे और प्रति ओवर 7.28 रन दिए थे। चक्रवर्ती को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन पहले दो मैच में उनकी गेंदबाजी में वह धार नहीं दिखी जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इस संदर्भ में भारत इस बात पर विचार करेगा कि क्या चौथे मैच में बिश्नोई (गुवाहाटी में 18 रन देकर दो विकेट) को ही टीम में बनाए रखा जाए और कुलदीप को विश्राम देने के लिए उनकी जगह चक्रवर्ती को वापस लाया जाए। भारत ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस पर भी कड़ी नजर रखेगा, क्योंकि उंगली में चोट के कारण वह नागपुर में पहले मैच के बाद से नहीं खेल पाए हैं।

भारत इस श्रृंखला में विश्व कप से पहले गेंदबाजी विभाग में अपने चरम पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है लेकिन बल्लेबाजी में फिलहाल उसका कोई सानी नहीं दिख रहा है। इस श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। तीसरे मैच में तो भारत ने केवल 10 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अभिषेक ने 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार और किशन ने लगभग 230 के स्ट्राइक रेट को बनाए रखा है। भारत की बल्लेबाजी की आक्रामकता की बानगी पिछले दो मैच आंकड़े पेश करते हैं।

भारत ने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में क्रमशः 209 और 154 रन (कुल 363 रन) का पीछा करते हुए केवल 25.2 ओवर ही खेले। अगर विशाखापत्तनम की पिच की प्रकृति और ओस के प्रभाव पर ध्यान दें तो इस मैच की कहानी भी अलग नहीं होगी। इस श्रृंखला में भारत के लिए चिंता का विषय केवल संजू सैमसन का खराब फॉर्म रहा है। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। हालांकि तिलक वर्मा की चोटिल होने के कारण बाहर होने से टीम प्रबंधन संजू को खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दे सकता है।

टीम प्रबंधन संजू को तीसरे नंबर पर भी उतारने का विचार कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो अभिषेक के साथ किशन पारी की शुरुआत करेंगे। वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले न्यूजीलैंड के लिए टी20 श्रृंखला में अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा। उसके बल्लेबाजों ने कभी-कभार अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक रवैये का जवाब देने में विफल रहे। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जेकब डफी उसके सबसे किफायती गेंदबाज हैं जबकि उनका इकॉनमी रेट 10.30 है। उसके अन्य गेंदबाज मैट हेनरी (13.80), काइल जैमीसन (14.20), मिचेल सैंटनर (13.14) और ईश सोढ़ी (12.50) भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं।

न्यूजीलैंड इस मैच में शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेज सकता है। मिचेल ने वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करके अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन टी20 श्रृंखला में उन्हें निचले मध्य क्रम में भेजा गया जिस पर सवाल उठने लग गए हैं। न्यूजीलैंड को अगर विश्व कप से पहले जीत दर्ज करनी है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उसके लिए यह महत्वपूर्ण विभाग चिंता का विषय बना हुआ है।

टीम इस प्रकार हैं

- **भारतः** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उप-कप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।
- **न्यूजीलैंडः** मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फाक्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, लॉकी फर्ग्यूसन, इश सोढ़ी, टिम सीफर्ट।

मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

अभी संन्यास लेने का विचार नहीं, जब समय आएगा तो देर नहीं करूंगा: केएल राहुल

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया है कि संन्यास लेने का विचार उनके मन में आया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि अभी इसमें 'कुछ समय बाकी है' और जब समय आएगा तो वह इसमें देर नहीं लगाएंगे। केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि संन्यास लेना कोई मुश्किल फैसला नहीं होगा क्योंकि क्रिकेट के अलावा भी जीवन है।

33 वर्षीय राहुल ने पीटरसन से उनके यूट्यूब चैनल पर कहा कि मैंने इसके बारे में सोचा है। मुझे नहीं लगता कि यह (संन्यास लेना) इतना मुश्किल होगा। अगर आप खुद के प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे टालने का कोई मतलब नहीं होगा। निश्चित तौर पर इसमें अभी कुछ समय लगेगा। राहुल ने कहा कि वह खुद को सुपरस्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिससे उन्हें लगता है कि भविष्य में संन्यास का फैसला करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बस चुपचाप (खेलना) छोड़ दो। जो कुछ तुम्हारे पास है, उसका आनंद लो। तुम्हारा परिवार भी है, इसलिए बस वही करो जो तुम्हें अच्छा लगे।

यही सबसे कठिन है। इसलिए मैं खुद को यही समझाने की कोशिश करता हूं कि मैं बहुत महत्वपूर्ण नहीं हूं। राहुल ने कहा कि हमारे देश में क्रिकेट चलता रहेगा। दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा। जीवन में और भी महत्वपूर्ण चीजें हैं और मुझे लगता है कि यह सोच मेरी हमेशा से रही है, लेकिन जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया है। यही मेरी सोच है।

विश्व कप 2030 के फाइनल की मेजबानी करेगा स्पेन

मैड्रिड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अभी तक यह नहीं बताया है कि 2030 में होने वाले विश्व कप के नॉकआउट चरण के मैच कहां खेले जाएंगे लेकिन स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि स्पेन फाइनल की मेजबानी करेगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को इस विश्व कप के संयुक्त मेजबान हैं जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे भी एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष राफेल लूज़ान ने पत्रकारों को बताया कि फाइनल मैच स्पेन में होगा, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह किस शहर या किस स्थान पर खेला जाएगा। उन्होंने कहा, "स्पेन विश्व कप में शीर्ष पर रहेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।" मोरक्को भी फाइनल की मेजबानी करना चाहता है।

अतिका का शानदार प्रदर्शन, क्वालीफाइंग में दूसरा स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं

ला कोंका (इटली)। भारत की 11 वर्षीय रेसिंग सनसनी अतिका मीर ने डब्ल्यूएसके सुपर मास्टर कार्टिंग सीरीज में शानदार शुरुआत की और वह 37 ड्राइवरों के क्वालीफाइंग ग्रिड में दूसरा सबसे तेज समय निकालने वाली पहली भारतीय बन गईं। अतिका ने 2026 में मिनी (8 से11 वर्ष की आयु) से जूनियर श्रेणी (12 से 14 वर्ष की आयु) में जाने के बाद पहली बार ओकेएनजे वर्ग में ड्राइविंग करते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। ग्रिड पर मौजूद सबसे युवा ड्राइवरों में से एक और फॉर्मूला वन अकादमी से सहयोग पाने वाली इस युवा रेसर ने सभी बाधाओं को पार करते हुए क्वालीफाइंग में दूसरा सबसे तेज समय निकाला और वह केवल सेकंड के दसवें हिस्से से पोल पोजीशन हासिल करने से चूक गई। अतिका ने 49.76 सेकंड का समय निकाला। वह एक समय पोल पोजीशन हासिल करने की स्थिति में थी लेकिन अंतिम क्षणों में फिनलैंड के लियो लैटिनन ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। इससे पहले अतिका शुक्रवार और शनिवार को तीनों हीट रेस में क्रमशः चौथे, छठे और सातवें स्थान पर रहीं थी। उन्होंने पहली हीट में सबसे तेज़ लैप का रिकॉर्ड भी बनाया था। फाइनल में हालांकि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और आखिर में वह 37 खिलाड़ियों के बीच 14वें स्थान पर रही।

सबालेंका और ज्वेरेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में

मेलबर्न। शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां अमेरिका की 18 वर्षीय खिलाड़ी इवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मेलबर्न में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी होने और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फ़ारेनहाइट) से ऊपर रहने की आशंका के चलते रॉड लेवर स्टेडियम में यह मैच छत खुली रखकर खेला गया। लेकिन अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन के बीच पुरुष क्वार्टरफाइनल मैच के लिए इसे बंद कर दिया गया।

पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बंद छत के नीचे खेलने का फायदा उठाया और 20 वर्षीय टिएन पर 6-3, 6-7 (5), 6-1, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। ज्वेरेव ने 24 ऐस लगाए और केवल एक डबल फॉल्ट किया। उन्होंने किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में दसवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, "वह बेहतरीन खिलाड़ी है। पिछले साल की तुलना में उसके खेल में काफी सुधार हुआ है। उसने बेसलाइन से जिस तरह का खेल दिखाया वह अद्वितीय था। मुझे लगता है उसने अभिश्वसनीय खेल का प्रदर्शन किया।" ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले चार साल में तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने अच्छी शुरुआत की और पहले सेट में 3-0 से बढ़त बनाकर 29वीं वरीयता प्राप्त जोविक पर शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया। जोविक ने वापसी की कोशिश की और उन्हें 10 मिनट तक चले नौवें गेम में ब्रेकप्वाइंट के तीन मौके मिले। सबालेंका ने दूसरे सेट में दो ब्रेकप्वाइंट लेकर 5-0 की बढ़त बना ली और अमेरिकी खिलाड़ी की उम्मीद पर पूरी तरह से पानी फेर दिया। सबालेंका ने ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तथा एक और ऐस लगाकर मैच अपने नाम किया।

पिछले दौर में कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको को हराने वाली सबालेंका ने कहा, "पिछले कुछ राउंड में मुझे युवा खिलाड़ियों ने कड़ी चुनौती दी। यह अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। यह काफी मुश्किल मैच था। स्कोर मत देखिए। यह बिल्कुल भी आसान मैच नहीं था। उसने शानदार खेल दिखाया और मुझे अपने खेल का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।"

तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज और बिग बैश लीग के दिग्गज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 17 साल लंबे अपने शानदार करियर के बाद रिचर्डसन ने क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने यह ऐलान सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए किया। केन रिचर्डसन बिग बैश लीग के इतिहास में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे हैं। वह 15 सीज़न में 142 विकेट लेकर बीबीएल के पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज के रूप में अपने करियर का अंत कर रहे हैं।

उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिचर्डसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 25 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2021 टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे। इसके अलावा, उन्होंने bibiel 8 में मेलबर्न रेनेगेड्स की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रिचर्डसन ने अपना टी20 करियर 2009 में साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए उस समय शुरू किया था, जब बिग बैश राज्य आधारित टूर्नामेंट के रूप में खेला जाता था।

बाद में उन्होंने बीबीएल 01 में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले ही मुकाबले में डेब्यू किया। स्ट्राइकर्स के लिए उन्होंने छह सीज़न में 36 मैच खेले, इसके बाद बीबीएल 07 में वह मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए। मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए केन रिचर्डसन बीबीएल इतिहास के सबसे सफल पुरुष गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 80 मैचों में 104 विकेट झटके, जो किसी भी रेनेगेड्स गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक हैं।

भारत-ईयू ने एफटीए वार्ता पूरी की, परिधान, रसायनों के लिए शून्य शुल्क, कार और वाइन के लिए रियायती पहुंच

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि इस समझौते के तहत परिधान, रसायन और जूते-चप्पल जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को 27 देशों के इस समूह में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। वहीं, यूरोपीय संघ (ईयू) को कारों और वाइन के लिए रियायती शुल्क पर भारतीय बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी। दो दशकों से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद संपन्न हुए इस समझौते को 'अबतक का सबसे बड़ा' समझौता कहा गया है। यह लगभग दो अरब लोगों का बाजार तैयार करेगा।

अधिकारी ने कहा कि वाहन और इस्पात को छोड़कर, भारत के लगभग सभी सामानों (93 प्रतिशत से अधिक) को यूरोपीय संघ में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। बाकी छह प्रतिशत से अधिक वस्तुओं के लिए भारतीय निर्यातकों को शुल्क में कटौती और कोटा-आधारित शुल्क रियायतें (जैसे ऑटोमोबाइल के लिए) मिलेंगी।

यूरोपीय संघ इस मुक्त व्यापार समझौते के लागू होने के साथ ही पहले दिन भारत के 90 प्रतिशत सामानों पर आयात शुल्क समाप्त कर देगा। यह समझौता अगले साल की शुरुआत में लागू होने की उम्मीद है। अन्य तीन प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क को सात वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, "इस प्रकार ईयू द्वारा भारत को व्यापार मूल्य के 99.5 प्रतिशत हिस्से पर रियायतें दी जा रही हैं।" दूसरी ओर, यूरोपीय संघ को भारत में दस वर्षों की अवधि में अपने 93 प्रतिशत सामानों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत समझौते को लागू करने के पहले दिन यूरोपीय वस्तुओं के केवल 30 प्रतिशत हिस्से पर शुल्क हटाएगा। भारत यूरोपीय संघ को व्यापार मूल्य के 3.7 प्रतिशत हिस्से पर शुल्क रियायतें और कोटा-आधारित कटौती भी दे रहा है। कुल मिलाकर, भारत ईयू को व्यापार मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर शुल्क रियायतें दे रहा है।

अधिकारी ने बताया कि शुल्क-मुक्त पहुंच पाने वाले प्रमुख भारतीय क्षेत्रों में कपड़ा, परिधान, समुद्री उत्पाद, रसायन, प्लास्टिक, रबर, चमड़ा और जूते-चप्पल शामिल हैं। इसके अलावा आधार धातु, रत्न और आभूषण, फर्नीचर, खिलौने और खेल के सामान को भी यह लाभ मिलेगा। इस समय इन क्षेत्रों पर यूरोपीय संघ में शून्य से 26 प्रतिशत तक शुल्क लगता है। भारत ने एफटीए के तहत ईयू की वस्तुओं के लिए भी शुल्क को उदार बनाया है। अधिकारी ने कहा, "हमारे मामले में, भारत 10 वर्षों में ईयू के लिए आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर देगा। शुरुआत में शून्य तक की कमी सीमित है। समझौते के लागू होने पर हम अपने व्यापार मूल्य के 30 प्रतिशत तक की कटौती करेंगे। लेकिन धीरे-धीरे, हम अपने कुल द्विपक्षीय व्यापार मूल्य के 93 प्रतिशत पर शून्य तक पहुंच जाएंगे।"

सेवाओं के मोर्चे पर यूरोपीय संघ ने भारत को अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रस्तावों में से एक दिया है। उसने 155 उप-क्षेत्रों में 144 को खोल दिया है, जबकि भारत उनके लिए 102 उप-क्षेत्र खोल रहा है। अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा छात्रों की आवाजाही को लेकर भी प्रतिबद्धताएं हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास यूरोपीय संघ से पढ़ाई के बाद कामकाजी वीजा पर भी कुछ प्रतिबद्धताएं हैं।" वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के अलावा, एफटीए में डिजिटल व्यापार, स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाओं और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर अध्याय शामिल हैं। इसमें ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों और सरकारी खरीद पर कोई अध्याय नहीं है।

यूरोपीय संघ का औसत शुल्क पहले से ही कम है। ये लगभग 3.8 प्रतिशत हैं और व्यापार सौदे के तहत उन्हें भारत के लिए घटाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया जाएगा। कुछ क्षेत्रों में शुल्क अधिक हैं। इनमें समुद्री उत्पाद, रसायन, प्लास्टिक और रबर शामिल हैं। इन सभी पर यूरोपीय संघ व्यापार सौदे के तहत भारत के लिए शुल्क समाप्त कर देगा। वर्ष 2024 में इन क्षेत्रों से भारत का निर्यात कुल 35 अरब डॉलर था। कार्यान्वयन के पहले दिन 33.5 अरब डॉलर पर शुल्क हटा दिया जाएगा। बाकी पर यह तीन, पांच और सात वर्षों में 'शून्य' हो जाएगा। ऑटोमोबाइल में दोनों पक्षों ने कोटा आधारित शुल्क रियायतों पर बातचीत की है, क्योंकि इस क्षेत्र में यूरोपीय संघ की मांग बहुत आक्रामक है। भारत का ऑटो क्षेत्र काफी हद तक छोटी कारों (खुदरा कीमतें 10 लाख रुपये से 25 लाख रुपये) के दबदबे वाला है। इस खंड में यूरोपीय संघ की रुचि बहुत अधिक नहीं है।

अधिकारी ने कहा, "हमने तय किया है कि जो कारें इस देश में 25 लाख रुपये से कम में बिकने वाली हैं, ईयू उन कारों का भारत में निर्यात नहीं करेगा। वे इनका निर्माण यहां कर सकते हैं।" दूसरी ओर 25 लाख रुपये से ऊपर भारत का बाजार सीमित है, लेकिन ईयू की इसमें रुचि अधिक है क्योंकि वे इस खंड में अच्छे निर्माता हैं। इस समय ऑटोमोबाइल पर भारत का आयात शुल्क 66 प्रतिशत से 125 प्रतिशत तक है। भारत कोटे से बाहर कोई शुल्क कटौती नहीं देगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए भारत का कोटा समझौते के पांचवें वर्ष से शुरू होगा। ईवी के लिए शुल्क कटौती अलग-अलग खंड में भिन्न होगी। अधिकारी ने कहा, "पहले साल में कुछ खंड में यह 35 फीसदी और कुछ में 30 फीसदी होगी। फिर यह धीरे-धीरे नीचे जाएगी।" भारत डेयरी (पनीर सहित), सोया मील और अनाज क्षेत्रों में कोई शुल्क रियायत नहीं देगा।

यूरोपीय संघ भी अपने चीनी, बीफ, मांस और पोल्ट्री क्षेत्रों की रक्षा कर रहा है। भारत को यूरोपीय संघ में 'टेबल ग्रेप्स' (खाने वाले अंगूर) के लिए कोटा आधारित शुल्क कटौती मिली है। यूरोपीय संघ सालाना लगभग 1.4 अरब डॉलर के टेबल ग्रेप्स का आयात करता है। अधिकारी ने कहा, "हमें लगभग 10 करोड़ डॉलर यानी 85,000 टन अंगूरों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिली है।" भारत सात वर्षों में शुल्क कम करेगा। उच्च मूल्य वाली वाइन पर शुल्क सात वर्षों में 150 प्रतिशत से गिरकर 20 प्रतिशत हो जाएगा। दूसरी ओर 2.5 यूरो से कम की वाइन के लिए कोई रियायत नहीं होगी।

मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार इस समय दोनों पक्षों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 136 अरब डॉलर है। समझौते के लागू होने पर तीन से चार वर्षों के भीतर इसके 200 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। इसी तरह सेवाओं का व्यापार, जो वर्तमान में लगभग 80-85 अरब डॉलर का है, बढ़कर 125 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

भारत को 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय बाजार पहुंच मिलेगी: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ३प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष वोंडरलेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। गोयल ने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा कि यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, जिससे हमारे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े व्यापार और निवेश अवसर पैदा होंगे और एमएसएमई, महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों को बचाने के लिए सावधानी बरतने के साथ, उच्च मूल्य वाले यूरोपीय संघ के बाजार में बड़े पैमाने पर संभावनाएं खोलते हुए ग्रामीण आजीविका भी सुरक्षित की गई है। मंत्री ने कहा कि भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता ढांचे के साथ सेवा क्षेत्र में एक बड़ी जीत हासिल की गई है जो हमारे कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करने में मदद करेगी। गोयल ने कहा कि यह समझौता भविष्य का द्वार है, क्योंकि इससे भारत उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा कर सकेगा, नवाचार को गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिभा व सतत आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

रेनो इंडिया को नई 'डस्टर' के सहारे मजबूत स्थिति हासिल करने का भरोसा: प्रबंध निदेशक

चेन्नई। वाहन विनिर्माता रेनो इंडिया के एमडी वेंकटराम ममिल्लापल्लै ने मंगलवार को कहा कि कंपनी को अपनी पुरानी मिड-साइज एसयूवी 'डस्टर' को दोबारा पेश करके भारतीय बाजार में कड़ी चुनौती पेश करने और आने वाले समय में एक प्रमुख वाहन कंपनी बनकर उभरने का भरोसा है। फ्रांसीसी कार विनिर्माता रेनो ग्रुप की भारतीय इकाई रेनो इंडिया ने एक दिन पहले ही डस्टर को पूरी तरह नए अवतार में पेश किया। इसके साथ ही 2022 में बंद हो चुके मॉडल की वापसी हो गई है। ममिल्लापल्लै ने डस्टर के दम पर मिड-साइज एसयूवी खंड में अपनी खोई जगह वापस पाने और एक प्रमुख ब्रांड बनने का भरोसा जताते हुए कहा कि यह सभी मौजूदा मॉडल के समक्ष एक चुनौती पेश करेगा। ममिल्लापल्लै ने कहा कि डस्टर मॉडल को रेनो ने भारतीय ग्राहकों की जरूरतों एवं आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है और यह बहुत जल्द अपनी जगह बनाने में सफल रहेगा।उन्होंने कहा, " डस्टर ने ही भारत में एसयूवी खंड की शुरुआत की थी और अब यह एक बार फिर नए मानक स्थापित करेगा।

अदाणी समूह, एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र करेंगे स्थापित

नई दिल्ली। अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की। इसका मकसद भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना है जो देश की स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। यह साझेदारी छोटे व मझोले शहरों के लिए हवाई संपर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित एक समारोह में भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों पर रणनीतिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक विमान बनाती है। निवेश और प्रस्तावित सुविधा के स्थान से जुड़े विवरण साझा नहीं किए गए। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल क्षेत्रीय विमानों के संयोजन तक ही सीमित नहीं है।

इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाना भी शामिल है। उन्होंने कहा, " एक मजबूत और टिकाऊ विमानन प्रणाली केवल आयात पर निर्भर नहीं रह सकती।" इस साझेदारी के साथ, भारतीय विमानन क्षेत्र में पहले से ही मजबूत उपस्थिति रखने वाला अदाणी समूह, भारत में विमान विनिर्माण के क्षेत्र में कदम रख रहा है।

सरकार का 2032 तक 3-नैनोमीटर चिप बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य 2032 तक आधुनिक स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 3-नैनोमीटर नोड के उच्च तकनीक वाले छोटे चिप बनाने का है।

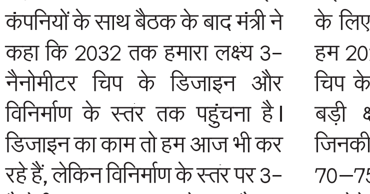

मंत्री ने कहा कि डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना के दूसरे चरण के तहत सरकार चिप की छह श्रेणियों कंप्यूट, रेडियो फ्रीक्वेंसी , नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे देश की कंपनियों को 70–75 प्रतिशत प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास पर प्रमुख नियंत्रण मिल सकेगा। डीएलआई योजना के तहत चयनित 24 चिप डिजाइन कंपनियों के साथ बैठक के बाद मंत्री ने कहा कि 2032 तक हमारा लक्ष्य 3-नैनोमीटर चिप के डिजाइन और विनिर्माण के स्तर तक पहुंचना है। डिजाइन का काम तो हम आज भी कर रहे हैं, लेकिन विनिर्माण के स्तर पर 3-नैनोमीटर तक पहुंचना होगा।३ वैष्णव ने कहा कि सरकार छह प्रमुख प्रणालियों पर ध्यान देना चाहती है, ताकि देश के पूरे सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र समग्र और व्यापक रूप से विकसित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि कंप्यूट, आरएफ, नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी इन छह प्रमुख श्रेणियों में हम शिक्षा जगत और उद्योग को नए विचार, नई सोच और नए समाधान लेकर आने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। जैसे-जैसे हम 2029 की ओर बढ़ेंगे, देश में ऐसे चिप के डिजाइन और विनिर्माण की बड़ी क्षमता विकसित हो जाएगी, जिनकी जरूरत हमारे देश में लगभग 70–75 प्रतिशत अनुप्रयोगों में होती है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र को इन छह प्रकार के चिप के किसी न किसी संयोजन की आवश्यकता होगी।

रानी मुखर्जी

के 30 साल और 'मर्दानी 3' की गूंज, रणबीर कपूर का दिल छू लेने वाला रिएक्शन

मुंबई। बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर को यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि भारतीय फिल्म उद्योग पूरी तरह एकजुट होकर उनकी पसंदीदा अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 वर्षों के शानदार सफर का जश्न मर्दानी 3 के साथ मना रहा है। रानी मुखर्जी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म सांवरिया में उनकी को-स्टार थीं और उनके करियर के शुरुआती दिनों में, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत थी, रानी उनके साथ खड़ी थीं। यही वजह है कि रणबीर हर फिल्म, हर परफॉर्मेंस में रानी की जीत के लिए दिल से दुआ करते हैं। रणबीर कपूर ने कहा कि रानी मेरी पहली फिल्म सांवरिया की को-स्टार थीं और वही पहली शख्स थीं जिन्होंने मुझसे कहा था कि अगर मैं मेहनत करूंगा, तो बहुत आगे जाऊंगा। उस बातचीत को मैं कभी नहीं भूल सकता क्योंकि उस वक्त, जब मुझे इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, उसने मुझे जबरदस्त आत्मविश्वास दिया। मैंने उन्हें एक इंसान के तौर पर बहुत करीब से देखा है, उनके काम को बहुत नज़दीक से देखा है और उनकी गरिमा, आकर्षण और प्रतिभा से हमेशा अभिभूत रहा हूं। रणबीर कपूर ने कहा कि रानी मुखर्जी की 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे उद्योग का आगे आना वाकई अद्भुत है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि रानी सदियों तक याद की जाने वाली कलाकार हैं ।भारत की अब तक की सबसे महान अभिनेत्रियों में से एक। उन्होंने अपने काम के ज़रिए हमारी इंडस्ट्री को परिभाषित किया है। उनके प्रोजेक्ट्स और किरदारों के चुनाव ने आज स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया ही बदल दिया है। रणबीर ने बताया कि रानी अपने सिनेमा के ज़रिए सिर्फ खुशी फैलाना चाहती हैं। वह एक ऐसी एंटरटेनर हैं जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी लोगों को खुश करने के लिए समर्पित कर दी है। मेरे लिए यह शब्दों में बताना मुश्किल है कि उनकी फिल्मों का मुझ पर कितना गहरा असर रहा है। अभिराज मिनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित मर्दानी 3,30 जनवरी, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर और दिशा पाटनी ने 'ओ रोमियो' के नए गाने में लगाई आग

साजिद नाडियाडवाला की अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' अपने ट्रेलर के बाद अब म्यूजिक को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म का दूसरा गाना 'आशिकों की कॉलोनी' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। यह एक फुल-ऑन डांस नंबर है, जिसमें 90 के दशक वाली रंगीन बॉलीवुड वाइब्स को आज के मॉडर्न म्यूजिक स्टाइल के साथ मिलाया गया है। गाने की धुन पुरानी यादों को ताजा करती है, लेकिन इसकी बीट्स और प्रोडक्शन पूरी तरह न्यू-एज फील देते हैं। इस गाने के पीछे एक शानदार क्रिएटिव टीम है। विशाल भारद्वाज का संगीत, गुलज़ार के लिखे बोल और मधुबंती बागची व जावेद अली की आवाज़, ये कॉम्बिनेशन गाने को खास बनाता है। लिरिक्स में हल्की शरारत और नॉस्टैल्जिया की मिठास है, जबकि म्यूजिक में क्लासिक टच के साथ फ्रेश एनर्जी सुनाई देती है। गाना टी-सीरीज़ के बैनर तले रिलीज हुआ है। गाने में शाहिद कपूर और दिशा पाटनी पहली बार साथ नजर आ रहे हैं और उनकी जोड़ी काफी फ्रेश लग रही है। रंग-बिरंगे, फेस्टिव सेटअप में फिल्माए गए इस ट्रैक में दोनों की केमिस्ट्री और डांस मूव्स ध्यान खींचते हैं। शाहिद अपने स्टाइलिश अवतार में दिखते हैं। वहीं दिशा अपने कॉन्फिडेंस और डांस स्टेप्स से स्क्रीन पर ग्लैमर लेकर आती हैं। जैसे-जैसे 'ओ रोमियो' की रिलीज नजदीक आ रही है, फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह भी तेजी से बढ़ रहा है और यह नया गाना उस एक्साइटमेंट को और हवा दे रहा है। 'ओ रोमियो' का निर्देशन मशहूर फिल्मकार विशाल भारद्वाज ने संभाला है। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इनके साथ नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

करण जौहर ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

फिल्ममेकर करण जौहर, जो सोशल मीडिया पर अपनी सक्रिय मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं, अचानक उन्होंने एक ऐसा ऐलान कर दिया जिसने फैंस को चौंका दिया। अपनी लगातार पोस्ट, रील्स और इंटरैक्शन के जरिए चर्चा में रहने वाले करण अब कुछ समय के लिए डिजिटल दुनिया से दूरी बनाने जा रहे हैं। करण ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए जानकारी दी कि वह एक हफ्ते के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रहे हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में लिखा कि अब न तो बेवजह स्क्रॉलिंग होगी, न किसी के मैसेज का जवाब और न ही कोई नई पोस्ट। साथ ही उन्होंने मज़ाकिया लहजे में ऊपरवाले से इस फैसले पर टिके रहने की ताकत भी मांगी। करण की अचानक इस घोषणा से उनके फॉलोअर्स हैरान जरूर हैं, क्योंकि वह अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अपने प्रोजेक्ट्स से लेकर निजी पलों तक की झलक शेयर करते रहते हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि यह ब्रेक लंबा नहीं, बल्कि सिर्फ एक हफ्ते का है।